लखनऊ
गुरुवार, 18 सितम्बर, 2025
वर्ष : 11 | अंक: 69
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक
आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

अगर किसी परिस्थिति के लिए आपके पास सही शब्द नहीं हैं तो सिर्फ मुस्कुरा दीजिये. शब्द उलझा सकते हैं पर मुस्कराहट हमेशा काम कर जाती है

TODAY WEATHER

DAY 34° Hi
NIGHT 28° Low

धार से पाकिस्तान पर प्रधानमंत्री मोदी का जोरदार प्रहार, कहा- उनके आतंकी अड्डे उड़ाए, ये जैश ने भी कुबूला

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मध्य प्रदेश के धार जिले के दौरे के दौरान कई पहलों के साथ अपना 75वां जन्मदिन मनाने पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज के आयोजन में नारी शक्ति का बहुत ध्यान रखा गया है। ये कार्यक्रम धार में हो रहा है परन्तु ये कार्यक्रम पूरे देश के लिए हो रहा है। पूरे देश में हो रहा है, पूरे देश की माताओं-बहनों के लिए हो रहा है। हमने ऑपरेशन सिंदूर करके आतंकी ठिकानों को उजाड़ दिया। हमारे वीर जवानों ने पलक झपकते ही पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया।

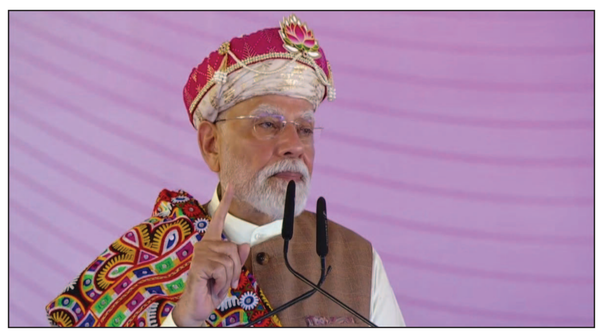

पीएम मोदी ने कहा कि कल ही देश और दुनिया ने देखा है कि फिर एक आंतकी ने रो रोकर अपना हाल बताया है। ये नया भारत है, ये किसी की परमाणु धमकियों से डरता नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' अभियान, 8वें राष्ट्रीय पोषण माह, आदि कर्मयोगी अभियान और सुमन सखी चैटबॉट का शुभारंभ किया।

गौरतलब है कि जैश-ए-मोहम्मद के एक कमांडर ने स्वीकार किया है कि सात मई को पाकिस्तान के बहावलपुर स्थित संगठन मुख्यालय पर भारतीय मिसाइल हमलों में आतंकवादी समूह के प्रमुख मसूद अजहर के परिवार के ''टुकड़े-टुकड़े हो गये।'' मंगलवार को एक यूट्यूब चैनल पर अपलोड किए गए वीडियो में, जैश-ए-मोहम्मद कमांडर इलियास कश्मीरी को भारतीय हमले के खिलाफ जहर उगलते सुना जा सकता है, जिसमें अजहर के परिवार के सदस्य मारे गए थे। साथ ही, वह पड़ोसी देशों में पाकिस्तान के लिए लड़ने की शेखी भी बघार रहा है। यह वीडियो छह सितंबर को पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में हुए मिशन मुस्तफा सम्मेलन का बताया जा रहा है। कई बंदूकधारियों के बीच खड़े जैश कमांडर ने कहा, ''इस देश की वैचारिक और भौगोलिक सीमाओं की रक्षा के लिए, हमने दिल्ली, काबुल और कंधार पर हमला किया (जिहाद छेड़ा)।

जांच और दवाई मुफ्त होगी..पीएम मोदी ने महिलाओं के लिए शुरू की स्वस्थ नारी योजना

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को मध्य प्रदेश के धार से स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान की शुरुआत की। इस कैंपेन के तहत देशभर में महिलाओं के लिए स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन हो रहा है। साथ ही 8वें राष्ट्रीय पोषणा माह का भी शुभारंभ किया गया। इन शिविरों में महिलाओं को फ्री इलाज की सुविधा मिलेगी। ये अभियान 17 सितंबर से 16 अक्टूबर तक चलेगा।

सभा में मौजूद लोगों को संबोधत करते हुए पीएम मोदी ने धार की धरती हमेशा से प्रेरणा की धरती रही है और आज के आयोजन में नारी शक्ति का बहुत ध्यान रखा गया है। ये कार्यक्रम तो धार में शुरू हो रहा है लेकिन ये कार्यक्रम पूरे देश के लिए हो रहा है। पूरे देश की माताओं और बहनों के लिए हो रहा है। यहां से स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान का आरंभ हो रहा है।पीएम मोदी ने कहा कि हमारी नारी शक्ति राष्ट्र की प्रगति का मुख्य आधार है। हम सब देखते हैं कि घर में अगर मां ठीक रहती है तो पूरा घर ठीक रहता है। लेकिन साथियों अगर मां बीमार हो जाए तो परिवार की सारी व्यवस्थाएं चरमरा जाती है। इसलिए स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान माताओं और बहनों को समर्पित है। हमारा मकसद है कि एक भी महिला जानकारी के अभाव में गंभीर बीमारी का शिकार ना हो। पीएम मोदी ने कहा कि ऐसी बहुत सारी बीमारियां होती हैं जो चुपचाप आती है और पता न चलने के कारण बहुत बड़ी बन जाती है। ऐसी बीमारियों को शुरुआती दौर में ही पकड़ना जरूरी है, इसलिए इस अभियान के तहत बीपी, डायबिटीज हो या कैंसर हो, इन सबकी जांच की जाएगी।

दशकों तक नहीं मना हैदराबाद मुक्ति दिवस, पीएम मोदी बोले– अब इतिहास को किया अमर!

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को हैदराबाद मुक्ति दिवस पर सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान को याद किया और स्वतंत्रता के बाद हैदराबाद को भारतीय संघ का हिस्सा बनाने में देश के पहले गृह मंत्री की लौह-दृढ़ इच्छाशक्ति की सराहना की। मध्य प्रदेश के धार जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज, 17 सितंबर, एक और ऐतिहासिक दिन है। इस दिन, राष्ट्र ने सरदार पटेल की लौह-दृढ़ इच्छाशक्ति देखी। भारतीय सेना ने हैदराबाद को आज़ाद कराया, उसके अधिकारों की रक्षा की और भारत के गौरव को पुनः स्थापित किया। उन्होंने कहा, 'हैदराबाद मुक्ति दिवस हमें प्रेरित करता है। माँ भारती की आन, बान और शान से बढ़कर कुछ नहीं है।' विपक्ष पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि का जश्न दशकों तक नहीं मनाया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि दशकों बीत गए, लेकिन किसी ने इस उपलब्धि का जश्न नहीं मनाया। लेकिन हमारी सरकार ने इस घटना को अमर बना दिया। हमने इस दिन को हैदराबाद मुक्ति दिवस के रूप में मनाना शुरू किया। आज, हैदराबाद में यह मुक्ति दिवस गर्व के साथ मनाया जा रहा है। 1948 में इसी दिन तत्कालीन हैदराबाद राज्य का भारतीय संघ में विलय हुआ था। तदनुसार, 17 सितंबर को सभी सरकारी कार्यालयों, शहरी स्थानीय निकायों और ग्राम पंचायतों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा।

पीएम मोदी की मां के एआई वीडियो पर हाईकोर्ट का सख्त आदेश : निजता का उल्लंघन, तुरंत हटाओ

पटना, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन और उनकी दिवंगत मां के पितृ पक्ष अनुष्ठान के दिन, पटना उच्च न्यायालय ने कांग्रेस पार्टी को सोशल मीडिया पर प्रसारित एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) द्वारा निर्मित वीडियो को तुरंत हटाने का निर्देश दिया। बिहार कांग्रेस कमेटी के आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट किए गए इस वीडियो में प्रधानमंत्री मोदी की मां द्वारा सरकारी नीतियों की आलोचना और आगामी बिहार चुनावों के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करते हुए एक बयान को गलत तरीके से पेश किया गया है।

अदालत ने कहा कि वीडियो का प्रसार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत्त निजता और प्रतिष्ठा के अधिकार सहित मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। इस तरह की सामग्री को अपमानजनक, अरुचिकर और अपमानजनक माना गया, जिसके कारण अदालत ने एक अंतरिम आदेश जारी कर वीडियो के आगे प्रसार पर रोक लगा दी और मौजूदा अपलोड को हटाने का निर्देश दिया। इस वीडियो ने तीखा राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। भाजपा नेताओं ने इसे शर्मनाक और प्रधानमंत्री व उनके परिवार पर निजी हमला करार देते हुए इसकी निंदा की है। भाजपा ने अज्ञात कांग्रेस सदस्यों के खिलाफ जालसाजी, मानहानि और आपराधिक साजिश से जुड़ी धाराओं में एफआईआर दर्ज कराई है। कांग्रेस ने वीडियो का बचाव करते हुए तर्क दिया है कि इसका उद्देश्य राजनीतिक आलोचना करना था, न कि अपमान करना। मामला अभी भी जारी है और आगे की सुनवाई में एआई-जनित सामग्री और राजनीतिक जवाबदेही जैसे गंभीर मुद्दों पर विचार किए जाने की उम्मीद है। गौरतलब है कि बिहार कांग्रेस द्वारा पोस्ट किए गए एक वायरल एआई-जनित वीडियो में कथित तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी दिवंगत मां हीराबेन मोदी के बारे में सपने देखते हुए दिखाई दे रहे हैं, जो उनकी राजनीति को लेकर उन पर निशाना साध रही हैं। पार्टी इससे पहले भी आलोचनाओं का शिकार हुई थी, जब बिहार के दरभंगा में कांग्रेस के नेतृत्व वाली 'मतदाता अधिकार यात्रा' के मंच पर एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा प्रधानमंत्री मोदी और उनकी मां को गालियां देने का एक वीडियो इंटरनेट पर सामने आया था। एआई-जनित वीडियो ने राजनीतिक विवाद को जन्म दे दिया था और भाजपा नेताओं ने कांग्रेस की आलोचना की थी।

नीतीश की तारीफ, फिर भी सीटों पर अड़े चिराग

पटना, एजेंसी। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने मंगलवार को एनडीए खेमे में सब ठीक होने का संकेत दिया, लेकिन कहा कि वह बिहार विधानसभा चुनावों में अच्छी संख्या में सीटें चाहते हैं। बिहार सरकार, खासकर नीतीश कुमार पर कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर निशाना साधने वाले पासवान ने कहा कि जनता दल (यू) नेता एनडीए की मजबूत कड़ी हैं। उन्होंने कहा कि चुनावों को देखते हुए, बयान दिए जाएँगे, रुख़ तय किए जाएँगे। लेकिन अंततः, जीत की संभावना ही सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। यह बात एनडीए के सहयोगी जीतन राम मांझी की उस घोषणा के कुछ दिनों बाद कही गई है जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर उनकी पार्टी को चुनावी समझौते में 15 सीटें नहीं मिलीं, तो हिंदुस्तान आवाम मोर्चा (HAM) 100 सीटों पर चुनाव लड़ेगा। पासवान ने एनडीए के सीट बंटवारे के फॉर्मूले का खुलासा नहीं किया, लेकिन कहा कि वह अच्छी सीटें चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मेरे दिमाग में एक संख्या है। उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी का प्रभाव हर निर्वाचन क्षेत्र में 20,000 से 25,000 वोटों को प्रभावित कर सकता है और कहा, 'मैं सब्ज़ी पर नमक की तरह हूँ।' बिहार के जमुई से लोकसभा सांसद, लोजपा नेता अभी भी इस बात पर विचार कर रहे हैं कि क्या वह विधानसभा चुनाव लड़ेंगे।

संक्षेप

'अगर औकात है तो...' आप ने सूर्यकुमार यादव को चुनौती, कर दी ये बड़ी मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सौरभ भारद्वाज ने सोमवार को भारत के टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव पर पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप की जीत को पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को समर्पित करने को लेकर तीखा हमला किया। यादव पर निशाना साधते हुए आप नेता ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'उन्होंने (सूर्यकुमार) इतनी आसानी से कह दिया कि उन्होंने यह जीत पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को समर्पित कर दी। आप बहुत समझदार हैं।' भारद्वाज ने आगे भारतीय कप्तान को चुनौती देते हुए कहा कि अगर तुम्हारी औकात है, और तुम्हारी बीसीसीआई की औकात है, और तुम्हारी आईसीसी की औकात है, तो तुम्हें दूसरी चुनौती भी देते हैं। जितना पैसा तुमने प्रसारण अधिकारों से कमाया है, विज्ञापनदाताओं से कमाया है, और इस शुद्ध धंधे में आपने कमाया है, दे दो उन 26 विधवाओं को। हम भी मान जायेंगे तुमने समर्पित किया है। उन्होंने आगे कहा, 'हिम्मत नहीं है इनकी, औकात नहीं है इनकी कि कुछ भी कर सके। हां, फर्जी में ये बोल दो कि हम इसको समर्पित कर रहे हैं और हम उसको समर्पित कर रहे हैं। यह बहुत शर्मनाक है।' न तो सूर्यकुमार यादव और न ही भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) या अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आप नेता की टिप्पणी पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया जारी की।

हिमाचल में मानसून का तांडव जारी, मृतकों का आंकड़ा 417 पहुंचा, जनजीवन अस्त-व्यस्त

शिमला। हिमाचल प्रदेश मानसून के विनाशकारी प्रभाव से जूझ रहा है, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) के अनुसार, दो राष्ट्रीय राजमार्गों सहित 572 सड़कें अभी भी अवरुद्ध हैं, इसके अलावा राज्य भर में 483 वितरण ट्रांसफार्मर और 203 जलापूर्ति योजनाएं ठप हैं। एसडीएमए ने बुधवार को अपनी सुबह की रिपोर्ट में कहा कि 20 जून से मानसून में कुल 417 मौतें हुईं। इनमें से 236 लोग भूस्खलन, अचानक बाढ़, घर गिरने और डूबने जैसी वर्षाजनित घटनाओं में मारे गए, जबकि 181 लोगों ने मौसम संबंधी व्यवधानों के कारण सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवाई। प्रमुख सड़क अवरोधों में, किन्नौर के निगुलसरी में राष्ट्रीय राजमार्ग-05 और ऊना में भदसाली पुल के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-503A यातायात के लिए बंद हैं। कुल्लू जिले में, कुल्लू-मनाली मार्ग पर कलाथ और बिंदु ढांक के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग-03 और आनी और जलोरी के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग-305 के कुछ हिस्सों पर यातायात प्रतिबंधित है, जहाँ केवल हल्के वाहनों की आवाजाही की अनुमति है। 483 बिजली ट्रांसफार्मरों के बाधित होने से कई जिलों में बिजली आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है, अकेले मंडी में 363 बार बिजली गुल हुई है। पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित हुई है, खासकर हमीरपुर (49 योजनाएँ), मंडी (56 योजनाएँ) और शिमला (41 योजनाएँ) में, जिससे बड़ी आबादी को आवश्यक वस्तुओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। ज़िलेवार, मंडी (229 सड़कें अवरुद्ध) और कुल्लू (153 सड़कें अवरुद्ध) सबसे ज़्यादा प्रभावित ज़िलों में से हैं। शिमला (46 सड़कें), कांगड़ा (46 सड़कें), चंबा (21 सड़कें) और सोलन (16 सड़कें) जैसे अन्य ज़िले भी लगातार भूस्खलन और फिसलन का ख़ामियाज़ा भुगत रहे हैं।

यूपी में सात आईपीएस अफसरों के हुए तबादले, तीन जिलों के एएसपी बदले

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। यूपी में बुधवार को सात आईपीएस अफसरों के तबादले किए गए हैं। इनमें तीन जिलों के एसपी-एएसपी भी शामिल हैं। आईपीएस देव रंजन वर्मा को पुलिस उपमहानिरीक्षक, नियम एवं ग्रंथ, लखनऊ से पुलिस उपमहानिरीक्षक, प्रशिक्षण निदेशालय, लखनऊ के लिए भेजा गया है। एसडीआरएफ, लखनऊ में तैनात सेनानायक डॉ सतीश कुमार को पुलिस अधीक्षक, सम्बद्ध, मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उप्र में जिम्मेदारी दी गई है। प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट में अपर पुलिस उपायुक्त अभिजीत कुमार को मेरठ का एएसपी ग्रामीण बनाया गया है।

पुलिस अधीक्षक/अपर पुलिस अधीक्षक, रामपुर के रूप में तैनात अतुल कुमार श्रीवास्तव को पुलिस उपायुक्त, पुलिस कमिश्नरेट, कानपुर की जिम्मेदारी दी गई है। पुलिस उपायुक्त/अपर पुलिस उपायुक्त, पुलिस कमिश्नरेट, लखनऊ में तैनात ममता रानी चौधरी को पुलिस उपायुक्त, पुलिस कमिश्नरेट, लखनऊ भेजा गया है। अमेठी में तैनात एसपी/एएसपी शैलेंद्र कुमार सिंह को पुलिस उपायुक, पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर भेजा गया है।

पुलिस अधीक्षक/अपर पुलिस अधीक्षक, फिरोजाबाद के रूप में तैनात त्रिगुण बिरोन को पुलिस उपायुक्त, पुलिस कमिश्नरेट, गाजियाबाद की जिम्मेदारी दी गई है।

कांग्रेस का केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप, कहा– कर्नाटक को मांग के मुताबिक नहीं दी खाद, किसान परेशान

बेंगलुरु, एजेंसी। कांग्रेस ने कर्नाटक में उर्वरक की आपूर्ति को लेकर केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। कांग्रेस महासचिव और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि केंद्र सरकार ने राज्य की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त उर्वरक की आपूर्ति नहीं की है। इससे किसानों को परेशानी हो रही है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को लिखे पत्र में सुरजेवाला ने कहा कि कर्नाटक में इस साल मानसून समय से पहले आ गया है। वर्षा सामान्य से लगभग तीन प्रतिशत अधिक रही है। इसके परिणामस्वरूप बुवाई का मौसम उम्मीद से पहले शुरू हो गया है। वर्ष 2025-26 के लिए राज्य ने 114.40 लाख हेक्टेयर में बुवाई का लक्ष्य रखा है, जिससे

160.68 लाख टन खाद्यान्न और तिलहन का उत्पादन होगा।

उन्होंने कहा कि खरीफ सीजन के लिए बुवाई का लक्ष्य 82.50 लाख हेक्टेयर था, जिसमें से 81.85 लाख हेक्टेयर में बुवाई हो चुकी है। सुरजेवाला ने कहा कि खरीफ सीजन के दौरान विभिन्न रासायनिक उर्वरकों की अनुमानित मांग 26.77 लाख मीट्रिक टन है। जबकि यूरिया उर्वरक की 3.36 लाख मीट्रिक टन की कमी है। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि राज्यों को उसकी जरूरत के अनुसार उर्वरकों की आपूर्ति सुनिश्चित करना केंद्र सरकार की एकमात्र जिम्मेदारी है। दुर्भाग्य से केंद्र सरकार ने कर्नाटक की मांग के अनुपात में उर्वरकों की आपूर्ति नहीं की है। अप्रैल से सितंबर 2025 तक कर्नाटक को मिलने वाला 3.36 लाख मीट्रिक टन यूरिया उर्वरक अभी भी लंबित है। उन्होंने कहा कि केंद्र से आपूर्ति में इस कमी के कारण राज्य को उर्वरकों की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। इस वर्ष यूरिया की आपूर्ति लगभग 50 प्रतिशत कम हो गई है। कांग्रेस नेता ने केंद्र से कहा कि वह कर्नाटक को देय यूरिया उर्वरक तुरंत जारी करे। सांसद ने यह भी बताया कि कर्नाटक के कृषि मंत्री एन चेलुवरायस्वामी ने इस संबंध में शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की थी और कर्नाटक को मिलने वाला 3.36 लाख मीट्रिक टन यूरिया जारी करने का अनुरोध किया था।

पराली जलाने पर सुप्रीम कोर्ट सख्तः पंजाब सरकार से पूछा- क्यों न कुछ किसानों को गिरफ्तार कर कड़ा संदेश दें?

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सर्दियों में वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर को लेकर चिंता जाहिर करते हुए बुधवार को पंजाब सरकार से पूछा कि पराली जलाने वाले कुछ किसानों को गिरफ्तार क्यों न किया जाए ताकि सख्त संदेश दिया जा सके। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने सुनवाई करते हुए कहा, आप खुद फैसला लीजिए, नहीं तो हमें आदेश जारी करना पड़ेगा।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और पंजाब के राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों में रिक्त पदों को भरने से संबंधित एक स्व-प्रेरणा याचिका पर सुनवाई कर रही थी। अदालत ने इन राज्यों को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को तीन महीने के भीतर रिक्त पदों को भरने का निर्देश दिया।

सीजेआई ने जैव ईंधन बनाने का सुझाव दिया

सीजेआई ने कहा कि मैंने अखबारों में पढ़ा था कि पराली का इस्तेमाल जैव ईंधन के रूप में भी किया जा सकता है। हम इसे पांच साल की प्रक्रिया नहीं बना सकते। शुरुआत में मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि पराली को जलाने के बजाय जैव ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है और जोर देकर कहा कि अगर राज्य वास्तव में पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है, तो उसे कड़े दंडात्मक प्रावधानों पर विचार करना चाहिए।

'किसान विशेष हैं और हम उनकी वजह से भोजन करते हैं, लेकिन...'

सुनवाई के दौरान पंजाब सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राहुल मेहरा से मुख्य न्यायाधीश ने सवाल किया कि पराली जलाने वाले किसानों को जेल भेजने और उन पर जुर्माना लगाने में हिचक क्यों हो रही है? सीजेआई ने कहा, किसान विशेष हैं और हम उनकी वजह से भोजन करते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि पर्यावरण की रक्षा न हो। आप दंड के कुछ प्रावधानों के बारे में क्यों नहीं सोचते? अगर कुछ लोग सलाखों के पीछे जाएंगे, तो इससे सही संदेश जाएगा। आप किसानों के लिए दंड के कुछ प्रावधानों के बारे में क्यों नहीं सोचते? अगर पर्यावरण की रक्षा करने का आपका सच्चा इरादा है तो फिर आप क्यों कतरा रहे हैं?

वायु प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त, सीपीसीबी से तीन हफ्ते में मांगा प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM), केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को निर्देश दिया कि वे तीन हफ्तों के भीतर वायु प्रदूषण से निपटने की योजना पेश करें। सुप्रीम कोर्ट ने यह योजना सर्दियों के मौसम की शुरुआत से पहले मांगी है, जब प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है। भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों में रिक्तियों को लेकर भी नाराजगी जाहिर की और राज्यों की खिंचाई। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और पंजाब जैसे राज्यों को तीन महीने के भीतर प्रदूषण नियंत्रण बोड्र्स में रिक्त पदों को भरने को कहा। पीठ ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) को भी अपने यहां रिक्त पदों को भरने के निर्देश दिए। पीठ इन प्राधिकरणों में रिक्त पदों को भरने से संबंधित एक स्वतः संज्ञान याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस मामले की अगली सुनवाई 8 अक्टूबर को होगी।

पशु तस्करों ने किया छात्र का कत्ल... विरोध में पथराव और सड़क जाम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। गोरखपुर के पिपराइच थाना इलाके के जंगल छत्रधारी गांव के टोला महुआ चाफी में सोमवार देर रात विरोध करने पर पशु तस्करों ने नीट की तैयारी कर रहे 12वीं के छात्र दीपक गुप्ता (19) की हत्या कर दी। वारदात के बाद पूरा क्षेत्र सुलग उठा। ग्रामीणों ने तस्करों की गाड़ी फूंक दी। एक तस्कर को दबोच लिया। सुबह गोरखपुर-पिपराइच मार्ग के भट्ठा चौराहे पर सड़क जाम कर दी। इस दौरान पुलिस और ग्रामीणों के बीच धक्का-मुक्की हुई। फिर ग्रामीणों ने पथराव कर दिया। इसमें एसपी नार्थ, पिपराइच थानेदार समेत सात पुलिसकर्मी घायल हो गए।

उधर, देर शाम शासन के आदेश के बाद एडीजी लॉ एंड ऑर्डर अमिताभ यश शहर पहुंचे। यहां पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर मामले की जानकारी हासिल करने के बाद गांव पहुंचे। वहां

परिजनों के साथ बातचीत कर हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। इधर देर शाम एसएसपी ने चौकी जंगल धूषण के चौकी प्रभारी समेत सभी पुलिसकर्मियों को निलंबित कर उनके खिलाफ विभागीय जांच बैठा दी है। जानकारी के मुताबिक, सोमवार रात करीब 11:20 बजे दीपक गुप्ता के बाबा रेलवे के रिटायर्ड कर्मचारी खरभान गुप्ता की दुकान पर संदिग्ध बोलेरो सवारों को देखकर उनके नाती मोनू (बुआ का बेटा) ने चोरी की आशंका जताई और घरवालों को फोन किया। दीपक के चाचा अशोक ने बताया कि सूचना पाकर मोनू के मामा दुर्गेश, वीरेंद्र और ममेरा भाई दीपक मौके पर पहुंच गए। तभी तस्करों ने पथराव शुरू कर दिया। दुर्गेश और वीरेंद्र घायल हो गए जबकि दीपक को तस्कर गाड़ी में खींचकर ले गए। थोड़ी दूरी पर ग्रामीण विश्राम ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो उसे भी पत्थर मारकर घायल कर दिया। इसके बाद तस्कर दीपक की हत्या कर उसका शव गुलरिहा इलाके में फेंककर फरार हो गए।

अपराधियों को किसी भी हाल में बख्शेंगे नहीं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने छात्र की हत्या पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने अधिकारियों को पीड़ित परिवार से मिलने और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि अपराधियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

मृतक के पिता की तहरीर पर केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए पांच टीमें गठित की गई हैं। पकड़े गए तस्कर से पूछताछ की जा रही है और उसके मोबाइल के जरिये अन्य आरोपियों का पता लगाया जा रहा है।
– राज करन नैय्यर, एसएसपी

गाड़ी फंसने पर तस्कर गाड़ी छोड़कर भागे

वारदात से आक्रोशित ग्रामीणों ने तस्करों की दूसरी गाड़ी को घेर लिया, जिसमें तीन गोवंश लदे थे। गाड़ी फंसने पर तस्कर गाड़ी छोड़कर भागे। उनमें से एक को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। गुस्साई भीड़ ने उसकी जमकर पिटाई कर दी और पिकअप गाड़ी को आग के हवाले कर दिया।

थानेदार पुरुषोत्तम सिंह का टूट गया हाथ

पकड़े गए तस्कर को छुड़ाने गई पुलिस को भी लोगों के आक्रोश का सामना करना पड़ा। धक्का मुक्की और पथराव में एसपी नार्थ जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव घायल हो गए जबकि पिपराइच थानेदार पुरुषोत्तम सिंह का हाथ टूट गया। कई सिपाही भी चोटिल हुए।

तस्करों को पहचान लिया था दीपक ने..इसलिए की गई हत्या

पिपराइच क्षेत्र में पशु तस्करों द्वारा की गई 19 वर्षीय नीट छात्र दीपक गुप्ता की हत्या अब कई सवालों को जन्म दे रही है। ग्रामीण इस घटना को केवल हत्या ही नहीं, बल्कि किसी की पहचान छिपाने से भी जोड़कर देख रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि इस पूरे नेटवर्क में केवल बाहरी तस्कर ही नहीं बल्कि स्थानीय मददगार भी शामिल हैं। दीपक ने तस्करों में किसी की पहचान कर ली थी और ऐसा करने से मना किया था, इसीलिए उसकी हत्या की गई। ग्रामीणों के मुताबिक, वारदात की रात तस्कर एक डीसीएम वाहन पर चार पशु लाद चुके थे, वहीं दूसरे वाहन पर लादने की तैयारी चल रही थी। दीपक ने उन्हें पहचान लिया, इसलिए बचने के लिए तस्करों ने उसे जबरन खाली गाड़ी में डाल लिया और वहां से भाग गए। इसके बाद उसका शव गांव से काफी दूर फोरलेन पर मिला। शव मिलने से ग्रामीणों का गुस्सा भड़क उठा और उन्होंने इस मामले को महज तस्करी की वारदात न मानते हुए हत्या की साजिश करार दिया।

पशु तस्करों के उत्पात से ग्रामीणों में दहशत और आक्रोश

पिपराइच में जंगल धूषण में सड़क जाम के दौरान आए कई गांवों के ग्रामीणों में गहरा आक्रोश देखने को मिला। उनका कहना था कि पहले भी कई घटनाएं इसी क्षेत्र में हुई हैं पर पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। इसी का परिणाम है कि आज दीपक को जान गंवानी पड़ी। तिकोनिया नंबर दो निवासी कृष्ण कुमार और मोहनापुर के युवाओं का कहना था कि दो दिन पहले मोहनापुर में भी एक जनप्रतिनिधि के मकान के पास पशु तस्कर पशु लाद रहे थे। इस दौरान गांववालों ने जब उन्हें घेरने की कोशिश की तो तस्करों ने असलहा लहराते हुए पत्थरबाजी की और मौके से फरार हो गए। ग्रामीणों ने इस घटना का वीडियो भी दिखाया। इसी तरह की एक और बड़ी घटना एक सप्ताह पहले पिपराइच चीनी मिल परिसर में हुई। वहां रात में संदिग्ध हालात में एक पिकअप खड़ी देख चीनी मिल सुरक्षा अधिकारी दुर्गेश तिवारी ने रुकने का कारण पूछा। इस पर पशु तस्करों ने उन पर प्राणघातक हमला कर दिया, उनकी बाइक तोड़ दी और मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गए। इस मामले में पुलिस थाने में केस दर्ज है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

'86 में 56 एसडीएम यादव बनाए ... पिछड़ों को धोखा दिया'

मंत्री ओपी राजभर का अखिलेश यादव पर आरोप

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। सुभासपा प्रमुख और कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने इसौली स्थित वलीपुर बाजार में बुधवार को एक रैली के दौरान अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव के पास पिछड़ों, मुसलमानों और सामान्य लोगों को धोखा देने वाली मशीन है। राजभर ने आरोप लगाया कि जब समाजवादी पार्टी सत्ता में थी, तब 86 में से 56 एसडीएम यादव समुदाय से बनाए गए थे। उन्होंने अखिलेश यादव पर 'हक लूटने की मशीन' रखने का भी आरोप लगाया। मीडिया से बात करते हुए मंत्री राजभर ने कहा कि समाजवादी पार्टी साढ़े आठ साल से सत्ता से बेदखल है और अब 'महल का माल खत्म हो रहा है।' उन्होंने यह भी दावा किया कि जब सपा सत्ता में थी, तब प्रदेश का खजाना लूटा जाता था। बिहार चुनाव पर उन्होंने कहा कि वहां एनडीए गठबंधन की सरकार बनेगी और वे एनडीए के साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे। एक अन्य सवाल के जवाब में राजभर ने एक ऐतिहासिक व्यक्ति का जिक्र करते हुए कहा कि वह 'जाहिल, गंवार, बुजदिल, अनपढ़' था। उन्होंने बताया कि अफगानिस्तान का रहने वाला गजनी उसका भांजा सैयद मसूद गाजी उसका सेनापति था, जो भारत को लूटने और गुलाम बनाने आया था। बहराइच में युद्ध में वह मारा गया था। राजभर ने कहा कि ऐसे व्यक्ति को इतिहास पढ़ना चाहिए, क्योंकि उसके बयान समाज में नफरत पैदा करने वाले हैं। जिले के कुड़वार में एक बीए छात्रा की हत्या के मामले पर पूछे गए सवाल पर मंत्री ने बताया कि एफआईआर दर्ज हो चुकी है, गिरफ्तारी भी हो गई है और आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। उन्होंने दोहराया कि 'असली मुलजिम' जो बच्ची को लखनऊ तक ले गए और वापस लाए, वे जेल में हैं। हालांकि, मंत्री के इस दावे में कई पेंच नजर आ रहे हैं। पुलिस ने एक विशेष समुदाय के युवक और उसके बहन-जीजा को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। आरोप है कि एसओ कुड़वार अभी तक छात्रा की साइकिल बरामद नहीं कर पाए हैं। विवेचना में हत्या और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर बलात्कार आदि की धाराएं नहीं बढ़ाई गई हैं। सूत्रों के अनुसार, क्षेत्रीय भाजपा नेता के दबाव में पुलिस ने यह कार्रवाई की है और परिजनों द्वारा नामजद किए गए गांव के दो युवकों को एसओ अमित मिश्रा ने बचाया है।

पीएम के जन्मदिन पर अधिकारियों ने किया फल वितरित

मेजा (प्रयागराज)। देश के विकास का संकल्प लेकर राष्ट्र की कमान संभालने वाले प्रधान सेवक नरेंद्र मोदी का 75वाँ जन्मदिन देश पूरे उत्साह के साथ मना रहा है। विश्व के कई नेताओं ने प्रधानमंत्री के स्वस्थ व लंबी उम्र की कामना की है। सीएचसी मेजा में एसडीएम व एसीपी मेजा ने मरीजों के बीच फल वितरित कर उनके दीर्घायु होने की कामना की। उपजिलाधिकारी मेजा सुरेंद्र प्रताप यादव, एसीपी मेजा एसपी उपाध्याय ने सीएचसी मेजा पहुँचकर मरीजों के छेम कुशल पूछकर उन्हें फल देकर शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। दोनों अधिकारी प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर शुरू की गई नारी सशक्त, परिवार सशक्त योजना से भी जुड़कर उसकी जानकारी ली। श्री यादव ने कहा कि इस योजना से निश्चित ही महिलाओं के स्वास्थ्य पर अनुकूल असर होगा। साथ ही परिवारों को भी इससे बल मिलेगा।

शरीर पर 17 घाव... सिर से किडनी तक चोट, दरोगा से मारपीट मामले में 10 वकीलों समेत 60 पर एफआईआर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में कचहरी परिसर में दरोगा मिथिलेश कुमार प्रजापति पर हुए हमले का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। देर रात कैंट थाने में इस मामले में एफआईआर दर्ज की गई। घायल दरोगा मिथिलेश कुमार की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। दस वकीलों समेत करीब साठ अज्ञात लोगों को नामजद किया गया है।

एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि आपराधिक प्रवृत्ति के वकीलों ने गुट बनाकर षड्यंत्र रचा और सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करते हुए खतरनाक हथियारों से लैस होकर दरोगा पर जानलेवा हमला कर दिया। आरोपियों ने मिथिलेश कुमार को बुरी तरह पीट-पीटकर बेहोश कर दिया और उनके पास से 4200 रुपये भी लूट लिए। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें

साफ दिखाई दे रहा है कि असामाजिक वकीलों की भीड़ दरोगा को घेरकर बेरहमी से पिटाई कर रही है। इस दौरान दरोगा को बचाने पहुंचे कांस्टेबल राणा प्रसाद को भी चोटें आईं। पुलिस ने इस मामले में मोहित मौर्य और अजीत मौर्य को मुख्य आरोपी माना है।

मारपीट की वजह एक पुराने विवाद से जुड़ी बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, मोहित मौर्य का अपने पट्टीदार प्रेमचंद मौर्य से जमीन का विवाद चल रहा है। इस विवाद में बड़ागांव थाने में तैनात दरोगा मिथिलेश कुमार ने कार्रवाई करते हुए मोहित मौर्य को हिरासत में लिया था और उस पर मारपीट का आरोप भी लगा था। बाद में वकीलों के हस्तक्षेप से मोहित मौर्य को थाने से छोड़ा गया। माना जा रहा है कि कचहरी में हुई मारपीट की घटना उसी विवाद की कड़ी है।

बनारस बार काउंसिल ने हमले की निंदा की

इस घटना को लेकर बार काउंसिलों ने भी कड़ा रुख अपनाया है। सेंट्रल बार काउंसिल और बनारस बार काउंसिल दोनों ने हमले की निंदा की है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि मारपीट में शामिल असामाजिक तत्वों की पहचान कर उन पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। सेंट्रल बार अध्यक्ष मंगलेश दुबे और महामंत्री राजेश गुप्ता ने बताया कि बुधवार सुबह 11 बजे बार सभागार में बैठक बुलाई गई है।

इस बैठक में असामाजिक प्रवृत्ति के वकीलों को लेकर गाइडलाइन जारी की जाएगी और एक मेमोरेंडम भी जारी होगा। काउंसिल ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि कोई अधिवक्ता इस दिशा-निर्देश का उल्लंघन करता है, तो उस पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रुद्राभिषेक के साथ बरियाघाट रामलीला की तैयारी शुरू

मीरजापुर। देव आवाहन (रुद्राभिषेक) के साथ ही बरियाघाट रामलीला समिति की तैयारियों का कार्यक्रम प्रारम्भ हो गया। समिति के आमंत्रण पर रुद्राभिषेक में पुलिस टीम के साथ पहुंचे पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा ने रामलीला समिति द्वारा विजय दशमी के अवसर पर आयोजित किए जाने वाले विशाल मेले के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की तथा मेला स्थल के हर बिंदु का निरीक्षण किया और अधीनस्थों को उचित निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी आपातकालीन स्थिति के लिए हर तरह की तैयारी अग्रिम की जाएगी। उनके साथ अपर पुलिस अधीक्षक नीतेश सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर विवेक जावला, पुलिस क्षेत्राधिकारी यातायात शिखा भारती, प्रभारी निरीक्षक शहर कोतवाली नीरज पाठक, यातायात प्रभारी विपिन पांडेय सहित सम्बन्धित पुलिस कर्मी उपस्थित रहे। रुद्राभिषेक में यजमान के रूप में समिति के अध्यक्ष अमरेश मिश्र सपत्नीक रहे।

इस जिले में एक पते पर दर्ज मिले 4,271 मतदाता, एक दिन पहले यहां दो मकान नंबरों पर मिले थे 428 वोटर, खुलासा

वर्ष 2021 में जब मतदाता सूची का पुनरीक्षण हुआ होगा, उसमें बीएलओ की ओर से यह ध्यान नहीं दिया गया और लोगों के मकान का एक ही नंबर डाल दिया गया। उनका सत्यापन कराया जा रहा है। वोटर उसी ग्राम पंचायत के हैं। यह एक मानवीय त्रुटि है। इसे दुरुस्त करने के लिए संशोधन की कार्यवाही की जा रही है।
-कुंवर पंकज, अपर जिलाधिकारी, महोबा

आर्यावर्त संवाददाता

महोबा। मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य के दौरान महोबा के कस्बा जैतपुर में मतदाता सूची में बड़ी गड़बडी सामने आई है। एक ही मकान नंबर पर 4,271 मतदाता दर्ज मिले हैं। मामला सामने आने के बाद बीएलओ की ओर से उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया है। जांच भी शुरू कर दी गई है।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए इस समय राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम कराया जा रहा है। ग्राम पंचायत जैतपुर में जब बीएलओ अभियान के दौरान डोर-टू-डोर पहुंचे तो वार्ड नंबर तीन से आठ तक एक ही मकान नंबर 803 में 4,271 मतदाता दर्ज पाए गए हैं।

यह मतदाता क्रमांक 2,283 से 6,969 तक दर्ज हैं। तब बीएलओ रश्मि ने एसडीएम कुलपहाड़ को इसकी जानकारी दी। इससे पहले ग्राम पंचायत पनवाड़ी में एक मकान नंबर में 243 तो दूसरे मकान में 185 मतदाता दर्ज मिले थे। मामला संज्ञान में आने के बाद अधिकारियों ने जांच के निर्देश दिए हैं।

सवालों के घेरे में मतदाता सूची, शुद्धता पर उठ रहे प्रश्न

महोबा। जनपद महोबा में पंचायत चुनाव को लेकर चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के दौरान आए दिन नए-नए खुलासे सामने आ रहे हैं। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से एआई से कराई गई जांच में 1,06,542 संभावित डुप्लीकेट मतदाता सामने आ चुके हैं।

इसका भी सत्यापन का काम चल रहा है। 29 सितंबर तक मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम चलेगा। एक घर में बड़ी-बड़ी संख्या में वोटर मिलने से मतदाता सूची सवालों के घेरे में आ गई है और उसकी शुद्धता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

पिछले पुनरीक्षण में बीएलओ ने नहीं दिया ध्यान

वर्तमान में पंचायत चुनाव को लेकर बीएलओ डोर-टू-डोर सर्वे कर रहे हैं। वर्ष 2021 की मतदाता सूची में नाम जोड़ने, मृतकों के नाम हटाने व संशोधन का काम किया जा रहा है। सूची में मकान नंबर एक प्रकार की त्रुटि है। गांव में मकान नंबर अमूमन नहीं होता है।

दिशा पाटनी के घर फायरिंग केस में 2 आरोपी गाजियाबाद में एनकाउंटर में ढेर, रोहित गोदारा और गोल्डी बरार गैंग के हैं गुर्गे

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। दिशा पाटनी के घर हुई फायरिंग मामले में यूपी एसटीएफ ने दो आरोपियों को एनकाउंटर में ढेर कर दिया। दोनों आरोपितों को पहचान रवीन्द्र उर्फ कल्लू और अरुण के तौर पर हुई। ये मुठभेड़ गाजियाबाद में हुई। यूपी एसटीएफ ने बताया कि दोनों आरोपी रोहित गोदारा और गोल्डी बरार गैंग के सक्रिय सदस्य थे। बीते 12 सितंबर को बरेली जिले में अभिनेत्री दिशा पटानी के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग हुई थी। इस मामले में थाना कोतवाली में मुकदमा भी दर्ज हुआ था। खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लेते हुए तत्काल खुलासे और कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

हरियाणा के रहने वाले दोनों बदमाश

बरेली पुलिस के साथ-साथ यूपी एसटीएफ को भी बदमाशों की तलाश में लगाया गया था। सीसीटीवी फुटेज और आसपास के प्रदेशों के क्राइम रिकॉर्ड्स से मिलान के बाद पुलिस ने बदमाशों की पहचान की। दिशा पाटनी के घर फायरिंग करने वाले बदमाशों की पहचान रविंद्र पुत्र कल्लू निवासी कहनी, रोहतक और अरुण पुत्र राजेंद्र निवासी इंडियन कॉलोनी, गोहना रोड, सोनीपत के रूप में हुई।

बदमाशों के पास मिली ग्लॉक और जिगाना पिस्टल

आज यूपी एसटीएफ की नोएडा यूनिट और सीआई यूनिट दिल्ली की संयुक्त टीम से थाना ट्रॉनिका सिटी गाजियाबाद में इन बदमाशों की मुठभेड़ हो गई, जिसमें दोनों बदमाश रविंद्र और अरुण गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों दोनों को मृत घोषित कर दिया।

बताया जा रहा है कि दोनों घायल बदमाश रोहित गोदारा और गोल्डी बरार गैंग के सक्रिए सदस्य थे। रविंद्र पहले भी कई घटनाओं में शामिल रहा है। इसके पास से मौके से ग्लॉक और जिगाना पिस्टल के साथ-साथ भारी संख्या में कारतूस बरामद हुआ।

2500 CCTV फुटेज पुलिस ने खंगाले

दिशा पाटनी के घर फायरिंग केस में जांच के दौरान बरेली पुलिस को बड़ा सुराग मिला था। शीशगढ़ से बिलासपुर रोड पर संदिग्ध बाइक कैमरे में कैद हुई थी। बरेली पुलिस ने ढाई हजार से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले थे। बाइक सवारों ने भागते वक्त लिए कई यू-टर्न लिए। इस तरह उन्होंने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की थी। बरेली पुलिस को दिल्ली से इनपुट मिला था कि गोल्डी बरार गैंग वारदात के बाद कभी सीधा रास्ता नहीं अपनाता। गैंग के सदस्य कैमरों से बचने के लिए बार-बार रास्ते बदलते हैं।

बरेली पुलिस को 515 अपराधियों की एल्बम मिली

चार राज्यों से बरेली पुलिस को 515 अपराधियों की एल्बम मिली थी, जिसमें पंजाब-राजस्थान से 335 और हरियाणा-दिल्ली से 180 अपराधियों का डेटा था। जमानत पर छूटे अपराधियों पर बरेली पुलिस की खास नजर थी। साइबर और सर्विलांस टीम सक्रिय हमलावरों की लोकेशन खंगाल रही थी। एटीएम फुटेज और ट्रांजेक्शन डिटेल भी खंगाली जा रही थी। बरेली पुलिस को संभावना थी कि वारदात के तुरंत बाद कैश निकाला गया होगा या फिर ऑनलाइन पैसा ट्रांसफर किया गया होगा।

बरेली में चलती ट्रेन से अनाचक गिरने लगे 500-500 के नोट, टॉर्च लेकर पहुंची भीड़... रातभर पैसे उठाते रहे लोग

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली से एक अजीब और चौंकाने वाली घटना सामने आई। मंगलवार देर रात लखनऊ से बरेली जा रही ट्रेन से अचानक 500 और 100 रुपये के नोट बरसने लगे। जैसे ही लोगों ने ये होते देखा वहां भीड़ एकत्रित हो गई। रात होने की वजह से लोग मोबाइल फोन की टॉर्च जलाकर नोट तलाशते रहे। थोड़ी ही देर में रेलवे ट्रैक पर भारी भीड़ जुट गई। यह नजारा किसी फिल्मी सीन जैसा लग रहा था।

दावा किया जा रहा है कि ट्रेन में बैठे एक शख्स ने खिड़की के जरिए बड़े से थैले में भरे नोटों को हवा में उड़ाना शुरू कर दिया। फरीदपुर स्टेशन के पास रहने वाले लोगों का दावा है कि अचानक आसमान से जैसे पैसों की बारिश होने लगी। शुरू में लोग कुछ समझ नहीं पाए, लेकिन

जब करीब से देखा तो नोट सौ और पांच सौ के थे। यह देखते ही हर कोई उन्हें उठाने के लिए रेलवे ट्रैक की ओर भागा।

रात का वक्त होने के कारण माहौल और भी अजीब हो गया। अंधेरे में मोबाइल की रोशनी से नोट खोजे जाने लगे। यही नहीं, कुछ लोग तो घरों से टॉर्च तक लेकर आ पहुंचे। लोग कह रहे थे कि नोट असली हैं। हालांकि, अब तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है कि ये नोट असली थे या नकली।

वीडियो हुआ वायरल, प्रशासन भी हैरान

घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि लोग रेलवे ट्रैक पर फैले नोट उठाने के लिए भाग-दौड़ कर रहे हैं। वायरल वीडियो के बाद पूरे इलाके में चर्चा का माहौल बन गया है। फरीदपुर इंस्पेक्टर राधेश्याम ने बताया कि उन्हें इस घटना की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है। हालांकि, लोगों के फोन लगातार आ रहे हैं और वे इसकी सच्चाई जानने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जैसे ही सही जानकारी सामने आएगी, कार्रवाई की जाएगी।

कई सवाल खड़े कर गया मामला

इस पूरी घटना ने इलाके में कई सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर ट्रेन से नोट फेंकने वाला व्यक्ति कौन था? उसके पास इतनी बड़ी रकम कहां से आई? क्या वह पैसे को छिपाना चाहता था या फिर किसी और वजह से ऐसा किया गया? फिलहाल इसका कोई जवाब नहीं मिल सका है। लोगों का कहना है कि उन्होंने पहली बार ऐसा नजारा देखा है। जहां नोटों को लेकर लोगों में होड़ मची और रेलवे ट्रैक पर भीड़ जमा हो गई। इस दौरान किसी तरह की अनहोनी नहीं हुई, वरना हादसा भी हो सकता था।

पीएम मोदी के नेतृत्व में नया भारत बना दुनिया के लिए प्रेरणा: सीएम योगी

सीएम योगी बोले- पीएम मोदी के नेतृत्व में बदला भारत का चेहरा, विरासत, विकास और सेवा का दिख रहा संगम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर लखनऊ से सेवा पखवाड़ा 2025 का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा करते हुए उन्हें 25 करोड़ प्रदेशवासियों की ओर से जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने प्रेस वार्ता करते हुए कहा कि सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलेगा और इसमें समाज को जोड़ने वाले विविध रचनात्मक कार्य शामिल होंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह हम सबका सौभाग्य है कि सेवा पखवाड़ा का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पावन जन्मदिन से हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी केवल भारत के ही नहीं, बल्कि दुनिया के सबसे दूरदर्शी और लोकप्रिय नेता हैं। आज पूरी दुनिया प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नए भारत का दर्शन कर रही है। जो भारत कभी पिछलग्गू माना जाता था, लेकिन आज अपने आत्मविश्वास से दुनिया को प्रेरित कर रहा है।

11 वर्षों की उपलब्धियां गढ़ रहीं हर क्षेत्र में नए प्रतिमान

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत ने हर क्षेत्र में अभूतपूर्व सफलताएं हासिल की हैं। अर्थव्यवस्था, विरासत, इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश, नियुक्तियां, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि विकास, जल संसाधन जैसे तमाम क्षेत्रों में नए प्रतिमान स्थापित हुए हैं। उन्होंने कहा कि गांव, गरीब, किसान, नौजवान, महिलाएं, दलित और वंचित समाज को प्राथमिकता देने की वजह से हर नागरिक के जीवन में व्यापक परिवर्तन आया है। यही वजह है कि बीते 11 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठ पाए हैं।

समाज को साथ लेकर सफलता की ओर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सेवा पखवाड़ा से जुड़े सभी संस्थान समाज को साथ लेकर इसे सफलता की ओर अग्रसर करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी भी प्रत्येक जनपद में लगाई जा रही है। यह प्रदर्शनी उनके संघर्ष और प्रेरणादायी जीवन यात्रा को सामने लाती है और छात्रों सहित समाज के हर वर्ग के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। मुख्यमंत्री ने अंत में प्रभु श्रीराम से प्रार्थना की कि उनका दूरदर्शी आशीर्वाद और मार्गदर्शन पूरे देश को निरंतर प्राप्त होता रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना समेत अन्य मंत्री, जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

रामलला से महाकाल लोक तक आस्था और विरासत का सम्मान

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विरासत का सम्मान आज केवल घोषणा नहीं, बल्कि हकीकत है। अयोध्या में 500 वर्षों के बाद रामलला का भव्य मंदिर बना। काशी विश्वनाथ धाम का पुनर्निर्माण वैश्विक जगत को आकर्षित कर रहा है। केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम का कायाकल्प हुआ है। महाकाल लोक का निर्माण और अन्य धार्मिक स्थलों का सुंदरीकरण नए भारत की पहचान बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर, संत रविदास, महर्षि वाल्मीकि जैसे महापुरुषों की स्मृतियों से जुड़े अनेक रचनात्मक कार्य किए गए हैं, जो सामाजिक न्याय और सामाजिक उत्थान की दिशा में मील का पत्थर साबित हुए हैं।

कोविड प्रबंधन में भारत बना वैश्विक मॉडल

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में कोविड काल के प्रबंधन का जिक्र करते हुए कहा कि जब पूरी दुनिया महामारी के सामने असहाय थी, तब भारत ने सबसे बेहतरीन कोविड प्रबंधन का उदाहरण प्रस्तुत किया। जहां 100 वर्षों में कोई वैक्सीन भारत तक नहीं पहुंच पाई, वहीं मोदी जी के नेतृत्व में सिर्फ 9 महीनों में कोविड वैक्सीन विकसित की गई। उन्होंने बताया कि न केवल भारतवासियों को मुफ्त वैक्सीन उपलब्ध कराई गई, बल्कि दुनिया के दर्जनों मित्र देशों को भी फ्री में वैक्सीन देकर भारत ने बेहतरीन कूटनीतिक उदाहरण प्रस्तुत किया। इससे भारत संकट के समय सहयोगी के रूप में दुनिया के सामने मिसाल बनकर उभरा।

स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में बड़ा अभियान

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेवा पखवाड़ा का पहला चरण ₹स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार₹ अभियान है। इसके अंतर्गत महिलाओं की स्वास्थ्य जांच, पोषण संबंधी कार्यक्रम और जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। लखनऊ से इसका शुभारंभ करते हुए इसे पूरे प्रदेश में आगे बढ़ाया जा रहा है। भारतीय जनता युवा मोर्चा हर जिले में रक्तदान शिविर आयोजित कर रहा है। आने वाले दिनों में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, पीएचसी, सीएचसी, जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेजों में स्वास्थ्य शिविर तथा जांच से जुड़े कार्यक्रम होंगे। इससे जरूरतमंदों को निशुल्क सुविधाओं का लाभ मिलेगा और आमजन को स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता भी प्राप्त होगी।

मुख्यमंत्री ने पीएम के जीवन वृत्त पर आधारित प्रदर्शनी का किया अवलोकन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फीता काटकर और दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमत्री नरेंद्र मोदी के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस चित्र प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री मोदी के बाल्यकाल से लेकर प्रधानमंत्री बनने तक के पूरे सफर को दर्शाया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके हर एक चित्र को पूरे ध्यान से देखा और इसकी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनी हर जनपद में भी लगाई जा रही है, जहां प्रधानमंत्री मोदी जी प्रेरणादायी नेतृत्व और संघर्षमय जीवन यात्रा के विभिन्न पहलुओं को प्रस्तुत किया जा रहा है। विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए, संघर्षों से जूझते हुए प्रधानमंत्री जी ने जिस विराट व्यक्तित्व का निर्माण किया, उसे यह प्रदर्शनी हम सबके सामने प्रस्तुत करती है। अगले 15 दिनों तक हर व्यक्ति इस प्रदर्शनी का अवलोकन कर सकता है और प्रधानमंत्री मोदी जी के जीवन से प्रेरणा प्राप्त कर सकता है। यह प्रदर्शनी उनके बचपन से लेकर अब तक की सफलतम यात्रा की गाथा को सामने रखती है। यह छात्रों और समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

विकसित भारत 2047 का लक्ष्य

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश, आत्मनिर्भर भारत और आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश—ये सभी आपस में जुड़े हुए लक्ष्य हैं। इन्हें हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का विजन 2047 हमें मार्गदर्शन देता है। उन्होंने कहा कि इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए प्रदेशभर में प्रबुद्ध जन सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। 19 और 20 सितंबर को होने वाले ये सम्मेलन हर जनप्रतिनिधि, मंत्री, सांसद और विधायक की सहभागिता से आगे बढ़ेंगे।

युवाओं के लिए नमो मैराथन

मुख्यमंत्री ने बताया कि 21 सितंबर को व्यापक जनजागरण के लिए 'नमो मैराथन' का आयोजन उत्तर प्रदेश के 17 बड़े नगरों में किया जाएगा। इसमें हजारों युवा हिस्सा लेंगे। यह आयोजन फिट इंडिया मूवमेंट और विकसित भारत अभियान को मजबूती देगा।

अंत्योदय से गांधी-शास्त्री जयंती तक

मुख्यमंत्री ने कहा कि 25 सितंबर को अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती बूथ स्तर पर पूरी भव्यता से मनाई जाएगी। इसके बाद यह कार्यक्रम निरंतर आगे बढ़ते हुए 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के साथ संपन्न होगा। इस अवसर पर खादी के प्रचार-प्रसार के कार्यक्रम होंगे और खादी वस्त्र को उपहार में देने की परंपरा को आगे बढ़ाया जाएगा। साथ ही प्रधानमंत्री के 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को भी बल मिलेगा। एमएसएमई और वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के तहत प्रदर्शनी और टूलकिट वितरण कार्यक्रम आयोजित होंगे।

मुख्यमंत्री योगी ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को दी सौगात, मिलेगा स्मार्टफोन, बढ़ेगा मानदेय

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को मध्य प्रदेश के धार से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान' (17 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2025) और आठवें राष्ट्रीय पोषण माह (17 सितंबर से 16 अक्टूबर, 2025) का शुभारंभ किया। यह अब तक के देश के सबसे बड़े स्वास्थ्य अभियानों में से एक है। इस ऐतिहासिक अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर, केजीएमयू में प्रदेशस्तरीय कार्यक्रमों की शुरुआत की।

सीएम योगी ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को स्मार्ट फोन वितरण के साथ ही उनके मानदेय में वृद्धि की जाएगी। इस अभियान के तहत यूपी में 75 जनपदों में व्यापक स्वास्थ्य शिविरों की शुरुआत भी हुई, जिसमें महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अभियान की शुरुआत करते हुए देशवासियों को संबोधित किया और कहा कि माताओं-बहनों और बेटियों का स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता है। सभी सुविधाएं निशुल्क हैं, इसलिए स्वास्थ्य शिविरों में जांच जरूर कराएं। उन्होंने देश को विकसित बनाने के चार स्तंभ नारी, युवा शक्ति, किसान और गरीब को रेखांकित किया, जिसमें नारी शक्ति को राष्ट्रप्रगति का मुख्य आधार बताया। विश्वकर्मा जयंती के पावन अवसर पर पीएम ने इस अभियान को स्वस्थ नारी और सशक्त परिवार की नींव के रूप में पेश किया, जो उनके विजन विकसित भारत का हिस्सा है।

सीएम योगी ने आंगनबाड़ी बहनों को दिया मानदेय वृद्धि का तोहफा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम में बच्चों को तिलक लगाकर अन्नप्राशन कराया और गर्भवती महिलाओं की गोदभराई के साथ पोषाहार वितरित किया। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश पीएम मोदी के 75वें जन्मदिन पर उनके साथ जुड़ रहा है। उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता की ओर से उन्हें हार्दिक बधाई। पीएम का संदेश हमें प्रेरित करता है और हम इसे लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सीएम योगी ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए स्मार्ट फोन वितरण और मानदेय वृद्धि का ऐलान करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी बहनों की सेवाओं का सम्मान उनके मानदेय बढ़ाकर और स्मार्ट फोन देकर किया जाएगा। उनकी ट्रेनिंग और समय पर भुगतान सुनिश्चित होगा, ताकि वे आत्मनिर्भर बनें।

यूपी में 75 जनपदों में 20,324 स्वास्थ्य शिविरों की शुरुआत

सीएम योगी ने प्रदेश के 75 जनपदों में 20,324 स्वास्थ्य शिविरों की शुरुआत की, जहां रक्त, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, ओरल कैंसर, स्तन कैंसर, सर्वाइकल कैंसर, एनीमिया और टीबी की निशुल्क जांच होगी। उन्होंने कहा कि यह अभियान गर्भवती महिलाओं की प्रसवपूर्व देखभाल, बच्चों के टीकाकरण और जागरूकता पर केंद्रित है। 507 रक्तदान शिविर भी आयोजित होंगे, जिसमें युवाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा। सीएम योगी ने स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों की सराहना की और बताया कि यह 15 दिन का पखवाड़ा न केवल जांच, बल्कि निशुल्क उपचार का माध्यम बनेगा। चिकित्सा विशेषज्ञों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आरोग्य मंदिरों, समुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और मेडिकल कॉलेजों को जोड़ा गया है।

नारी सशक्तीकरण की दिशा में सरकार बढ़ा रही मजबूत कदम

योगी ने नारी सशक्तीकरण की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मातृ वंदना, कन्या सुमंगला और नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसे कदम उठाए गए हैं, जिनका स्वागत नया भारत कर रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले आठ वर्षों में यूपी सरकार ने बेटी की निशुल्क शिक्षा और कन्या सुमंगला योजना के तहत 25,000 रुपये का पैकेज दिया, जबकि सामूहिक विवाह योजना में हर बेटी की शादी के लिए 1 लाख रुपये की सहायता दी गई। सीएम योगी ने कहा कि 1.89 लाख आंगनबाड़ी केंद्रों और 10 लाख महिला स्वयं-सहायता समूहों के साथ 1 करोड़ महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया है। उन्होंने कहा कि THR प्लांट्स से 60,000 बहनें 8,000 रुपये मासिक कमा रही हैं, और नेफेड के सहयोग से यह आय बढ़ेगी।

कैसरबाग पुलिस द्वारा 02 शातिर गांजा तस्कर अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। कैसरबाग पुलिस ने गांजा तस्करी करने वाली महिला समेत दो लोगो को गिराफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने पकड़े गए तस्करों के पास से 6.950 ग्राम गांजा व एक ई रिक्शा बरामद किया।

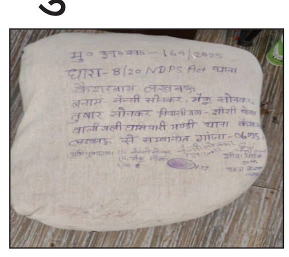

इंस्पेक्टर कैसरबाग अंजनी कुमार मिश्रा ने बताया कि डायल 112 से सूचना प्राप्त हुई कि लाटूश रोड पर एक ऑटो रिक्शा से गांजा तस्करी के लिए ले जाया जा रहा है। जिसके बाद ओडियन चौराहे व लटूश रोड पर चेकिंग लगाकर घेराबंदी की गई। उसी दौरान रोड पर खडे ई-रिक्शा यूपी 32 एक्स एन 0395 की तरफ मुखबिर ने इशारा कर बताया कि इसी में पीछे नीले कलर के बैग में मादक पदार्थ रखा हुआ है और सीट पर ड्राइवर बैठा है बगल में खडी एक महिला है जिसका यह बैग बताया जा रहा है। उसके साथ में एक पुरूष था जो पुलिस की आहट पाकर भाग गया, महिला से उसका नाम व पता पूछा गया तो उसने अपना नाम नैन्सी सोनकर, पत्नी संजय सोनकर निवासिनी ताराचन्द शीशी बोतल वाली गली घसियारी मण्डी लाटूश रोड थाना कैसरबाग बताया। तथा भागने वाले को अपना भाई तुषार सोनकर बताया व ई-रिक्शा चालक से नाम व पता पूछा गया तो उसने अपना नाम मैकू सोनकर निवासी शीशी बोतल वाली गली घसियारी मण्डी लाटूश रोड थाना कैसरबाग लखनऊ बताया। पुलिस के मुताबिक मौके पर तलाशी ली गई तलाशी से 1.750 किलोग्राम, 1.170 किलोग्राम, 1.0 किलोग्राम, 1.575 किलोग्राम, 0.600 किलोग्राम मादक पदार्थ मिला जिसमें चौथे बंडल से 100 ग्राम मादक पदार्थ अवैध गांजा बरामद हुआ। वजन करने पर बरामद माल का कुल वजन 6 किलो 950 ग्राम पाया गया। पकड़े गए अभियुक्तगण उपरोक्त के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर तस्करी के आरोप में जेल भेज दिया गया।

लखनऊ में झमाझाम बारिश, निचले इलाकों में सड़कों पर भरा पानी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बुधवार को मौसम ने करवट बदली। बादलों की तेज गड़गड़ाहट के साथ झमाझम बारिश हो रही है। मौसम के बदले मिजाज से जहां एक तरफ लोगों ने राहत महसूस की तो निचले इलाकों में मुश्किलें पेश आईं। कई जगहों पर जलभराव हो गया। नालियों चोक होने से पानी सड़कों पर बहने लगा। बुधवार की दोपहर को तेज बारिश से मौसम सुहाना हो गया। मौसम विभाग ने पहले ही बुधवार को बारिश का अनुमान जताया था।

तस्करी के लिए बिहार ले जाई जा रही अंग्रेजी शराब पकड़ी गई

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। गोसाईगंज पुलिस सर्विलांस सेल दक्षिणी एवं आबकारी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा शराब की तस्करी करने वाले दो अंतर्राज्यीय तस्करों को मंगलवार को दुलारमऊ गांव के पास से गिरफ्तार कर उनके पास से विभिन्न ब्रांड की 473 बोतल अंग्रेजी शराब व कूटरचित नंबर प्लेट लगी एक किया सोनेट कार बरामद कर उन्हें जेल भेज दिया गया।

मंगलवार को पुलिस को सूचना मिली थी कि गाड़ी संख्या पीबी27-एल-1428 काले रंग की किआ सोनेट कार द्वारा हरियाणा प्रान्त से अवैध शराब लेकर तस्करी के लिए बिहार प्रान्त ले जाई जा रही हैं।जिसपर थाना गोसाईगंज सर्विलांस सेल जोन दक्षिणी व आबकारी टीम ने दुलारमऊ के पास चेकिंग शुरू कर दी थी।इसी बीच पुलिस टीम को गाड़ी संख्या पीबी27-एल-1428 आती हुई दिखायी दी।जिसे पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो चालक ने गाड़ी भगाने का प्रयास किया लेकिन पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

एडीसीपी साउथ रस्सापल्ली बसंथ कुमार ने प्रेसवार्ता कर बताया कि पकड़े गए आरोपितों से लगभग 10 लाख कीमत की विभिन्न ब्रांड की 473 बोतल बिदेशी शराब बरामद की गई है।आरोपितों ने पूँछतांछ में अपने नाम

मोहन लाल पुत्र भूप सिंह निवासी ग्राम गामडी पोस्ट गोहाना तहसील खानपुर गोहाना शहर सोनीपत हरियाणा बताया जो गाड़ी चालक है जबकि दूसरे ने अपना नाम कुशन कुमार पुत्र हजारी लाल निवासी ग्राम छारा पोस्ट बहादुरगढ थाना बहादुरगढ झज्जर हरियाणा बताया जो कार डेंटिंग-पेंटिंग का काम करता है।

आरोपितों ने बताया कि यह शराब वह हरियाणा राज्य से बिहार राज्य में में बेचने के लिए ले जा रहे थे।जहां शराब बन्दी होने व आगामी चुनाव के चलते इसे ऊँचे दामों पर बेंचकर अच्छा मुनाफा कमाते हैं।

पकड़े गए शराब तस्करों ने पुलिस को बताया की उन्हें एक बार शराब की खेप ले जाने का लगभग पंद्रह हजार मिलता है।इस महीने वह दो खेप पहुंचा चुके थे।तीसरी खेप ले जा रहे थे तभी पुलिस के हत्थे चढ़ गए।

आरोपितों ने बताया कि हम लोग हरियाणा से अंग्रेजी शराब लेकर दिल्ली होते हुए उत्तर प्रदेश में मुरादाबाद सीतापुर एवं लखनऊ से होते हुए पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से बिहार राज्य में जाते थे।और जैसे ही बिहार राज्य की सीमा में पहुंचने वाले होते थे उससे पहले गाड़ी की नम्बर प्लेट बदलकर बिहार राज्य की नम्बर प्लेट बीआर01-सीजे-0557 लगा लेते थे जिससे कि बिहार पुलिस को हम पर शक न हो।

गाड़ी में पुलिस को पीबी27-एल-1428 नम्बर की प्लेट लगी मिली जबकि बीआर01-सीजे-0557 नम्बर की आगे पीछे की नम्बर प्लेटें गाड़ी में रखी मिली है।गाड़ी में लगी नम्बर प्लेट के बारे में पुलिस द्वारा जांच की गई तो वह हर्ष बिन्दर सिंह पुत्र गुरूचरण सिंह निवासी हाउस नं0 592 वार्ड नं0 11 निकट निरंकारी भवन कुराली सास नगर मोहाली साहिब जादा आजीत सिंह नगर पंजाब के नाम पंजीकृत पाई गई।

43 एडिशनल एसपी व 13 डिप्टी एसपी के तबादले, डिप्टी एसपी से एडिशनल एसपी बनने वालों को मिली नई तैनाती

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। डीजीपी मुख्यालय ने बुधवार को 56 पीपीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया, जिसमें हाल ही में डिप्टी एसपी से एडिशनल एसपी बने करीब डेढ़ दर्जन अधिकारियों को नई तैनाती प्रदान की है। संभल में तैनात अनुज कुमार चौधरी को एएसपी रैंक में प्रोन्नत होने के बाद फिरोजाबाद भेजा गया है। गोरखपुर में एएसपी सुरक्षा अनुराग सिंह को रामपुर भेजा गया है। डीजीपी मुख्यालय की सोशल मीडिया सेल में तैनात संतोष कुमार द्वितीय को भी प्रोन्नत होने के बाद गोरखपुर में एएसपी सुरक्षा बनाया गया है। आदेश के मुताबिक झांसी के एएसपी सिटी ज्ञानेंद्र कुमार सिंह को अमेठी, डीजीपी मुख्यालय की स्थापना शाखा में तैनात रंजन सिंह को डीजीपी मुख्यालय में एएसपी क्राइम, बरेली में एएसपी एलआईयू गोपी नाथ सोनी को लखनऊ कमिश्नरेट में अपर पुलिस उपायुक्त, एलआईयू अयोध्या में तैनात राम अर्ज को पीटीएस जालौन, सीआईडी मुख्यालय में तैनात विशाल यादव को लॉजिस्टिक मुख्यालय, नोएडा कमिश्नरेट में तैनात मनीष कुमार मिश्रा को मिर्जापुर में नक्सल ऑपरेशन, मुरादाबाद स्थित 9वीं वाहिनी पीएसी में तैनात बंशराज सिंह यादव को सीआईडी मुख्यालय, प्रयागराज कमिश्नरेट में तैनात कुलदीप सिंह प्रथम को संभल में एएसपी उत्तरी, अलीगढ़ स्थित 38वीं वाहिनी पीएसी में तैनात राजकुमार द्वितीय को 34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी, खीरी में एएसपी पश्चिमी प्रकाश कुमार को बिजनौर में एएसपी ग्रामीण, प्रयागराज पीएसी में तैनात अनित कुमार को 9वीं वाहिनी पीएसी मुरादाबाद, सीआईडी गोरखपुर की सेक्टर ऑफिसर रचना मिश्रा को पीटीएस गोरखपुर, वाराणसी कमिश्नरेट में तैनात सुशील कुमार गंगा प्रसाद को कासगंज, संभल में एएसपी उत्तरी राजेश कुमार श्रीवास्तव को केंद्रीय आयुध भंडार, मेरठ में एएसपी ग्रामीण राकेश कुमार मिश्रा को पुलिस मुख्यालय, आगरा कमिश्नरेट में एएसपी ट्रैफिक अमिता सिंह को यूपी 112 मुख्यालय, साइबर क्राइम मुख्यालय में तैनात श्वेताभ पांडेय को ईओडब्ल्यू मुख्यालय, लखनऊ कमिश्नरेट में तैनात पंकज कुमार सिंह को 20वीं वाहिनी पीएसी आजमगढ़, कासगंज में तैनात राजेश कुमार भारतीय को पीटीसी सीतापुर, भर्ती बोर्ड में तैनात मोनिका चड्ढा को 38वीं वाहिनी पीएसी अलीगढ़, यूपीपीसीएल में तैनात अंकिता सिंह को भर्ती बोर्ड, सोनभद्र पीएसी में तैनात विजय आनंद को प्रयागराज कमिश्नरेट और प्रयागराज कमिश्नरेट में अपर पुलिस उपायुक्त जंग बहादुर यादव को वाराणसी कमिश्नरेट भेजा गया है।

प्रोन्नत होने वालों को मिली तैनाती

सोनभद्र स्थित 48वीं वाहिनी पीएसी में तैनात विजय प्रताप यादव-प्रथम को वहीं उपसेनानायक बना दिया गया है। एससीआरबी में तैनात शीतांशु कुमार को पीएसी मुख्यालय, डीजीपी मुख्यालय से संबद्ध अभिषेक यादव को अयोध्या में 8वीं वाहिनी एसएसएफ, एटा में तैनात अमित कुमार राय को खीरी में एएसपी पश्चिमी, आगरा कमिश्नरेट में तैनात आनंद कुमार पांडेय को देवरिया में एएसपी उत्तरी बनाकर भेजा गया है। एटीएस में तैनात अभिषेक सिंह को एएसपी बना दिया गया है। कानपुर स्थित केंद्रीय वस्त्र भंडार में तैनात प्रभात कुमार द्वितीय को सीआईडी मुख्यालय भेजा गया है।

श्यामकांत को बलिया की जगह बस्ती और बृजनंदन राय को बलरामपुर की जगह प्रतापगढ़ में एएसपी बनाकर भेजा गया है। एसटीएफ में तैनात संजीव कुमार दीक्षित को एएसपी बना दिया गया है। फतेहपुर में तैनात कृष्ण गोपाल सिंह को बिजनौर में एएसपी सिटी बनाया गया है। सीतापुर में तैनात दिनेश कुमार शुक्ला को बलिया में एएसपी उत्तरी बनाया गया है। कासगंज में तैनात संतोष कुमार तृतीय को नोएडा में अपर पुलिस उपायुक्त बनाया गया है।

पीटीसी सीतापुर में तैनात राजकुमार पांडेय को गोरखपुर में एएसपी ट्रैफिक बनाया गया है। रेलवे झांसी में तैनात सोहराब आलम को केंद्रीय वस्त्र भंडार भेजा गया है। एलआईयू मेरठ में तैनात प्रीति सिंह को झांसी में एएसपी सिटी बनाया गया है। नोएडा कमिश्नरेट में तैनात बाबा साहब वीर कुमार को वाराणसी कमिश्नरेट में अपर पुलिस उपायुक्त बनाया गया है।

13 डिप्टी एसपी इधर से उधर

इसके अलावा 13 डिप्टी एसपी का भी तबादला किया गया है। गोरखपुर पीटीएस में तैनात प्रिता को आगरा कमिश्नरेट भेजा गया है। इसी तरह पंकज लवानिया को प्रयागराज कमिश्नरेट से मेरठ और वरुण कुमार को मुरादाबाद भेजा गया है। शैलेंद्र सिंह को एलआईयू अयोध्या से आगरा कमिश्नरेट भेजा गया है। कुंभ मेला में तैनात रामकृष्ण चतुर्वेदी को सुल्तानपुर, आभा सिंह को देवरिया से गोरखपुर, अब्दुल सलाम खान को सुल्तानपुर से प्रयागराज कमिश्नरेट, प्रशांत सिंह को सुल्तानपुर से गोरखपुर, सैयद अरीब अहमद को आगरा कमिश्नरेट से लखनऊ कमिश्नरेट, संजय कुमार जायसवाल को मेरठ से चित्रकूट, श्वेता कुमारी को कानपुर कमिश्नरेट से गाजियाबाद, अजय कुमार सिंह को गाजियाबाद से अयोध्या और हेमंत कुमार को आगरा कमिश्नरेट से शामली भेजा गया है।

वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 में हुए सुप्रीम संशोधन के मायने

वक्फ बोर्ड में सदस्यों की संख्या और गैर-मुस्लिम सदस्यों की सीमा में संशोधन भी कुछ हद तक सुरक्षित की गई है, लेकिन कोर्ट ने कुछ प्रावधानों पर स्थगन लगाया है। लिहाजा लोगों को उम्मीद है कि अब उनकी सरकार अन्य धर्मों के लिए भी इसी तरह के कानून लाएगी व उसका अनुपालन का निर्णय करेगी।

कमलेश पांडे

सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया ने वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 पर तो रोक नहीं लगाई, लेकिन उसके कुछेक प्रावधानों में विधिसम्मत और तर्कसंगत संशोधन किया है या फिर पूरी तरह से उन पर रोक लगा दी है। इसलिए वक्फ संशोधन अधिनियम में हुए सुप्रीम संशोधन के मायने समझना बहुत जरूरी है। लोगों को उम्मीद है कि कोर्ट के इस ताजातरीन फैसले से वे आशंकाएं दूर हो जाएंगी, जो इस नए कानून को लेकर इससे पहले जताई जा रही थीं। चूंकि कोर्ट का यह निर्णय संविधान के अनुरूप है, इसलिए दोनों पक्षों ने इसे मान लिया है। यह एक शुभ लक्षण है।

बताया जाता है कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से किए गए संशोधन महत्वपूर्ण और जरूरी हैं, क्योंकि इनमें संविधान की भावनाओं का भी ख्याल रखा गया है। इसलिए इसके परिवर्तित मायने राष्ट्रीय एकता के लिहाज से अहम हैं।

लिहाजा इस फैसले का मुख्य असर निम्नलिखित हैः-

पहला, कोर्ट ने उस प्रावधान पर रोक लगा दी है, जिसमें वक्फ बनाने के लिए व्यक्ति का 5 वर्षों तक इस्लाम का अनुयायी होना जरूरी था, बताया गया है। हालांकि यह रोक तभी तक लागू रहेगा जब तक राज्य सरकारें इसके लिए अलग से नियम नहीं बना देतीं। चूंकि यह शर्त मनमानी हो सकती थी, इसलिए अदालत ने इसे स्थगित कर दिया है। समझा जाता है कि वक्फ करने के लिए न्यूनतम 5 बरसों तक इस्लाम का अनुयायी होने के प्रावधान पर तब तक रोक रहेगी, जब तक राज्य सरकारें इसके सत्यापन के लिए नियम नहीं बना लेती। चूंकि देश में धर्म व्यक्तिगत मामला है और यह जरूरी नहीं कि कोई नागरिक अपनी धार्मिक पहचान का सार्वजनिक प्रदर्शन करे। इसलिए यह तय करना कि कोई किसी धर्म को कब से मान रहा है, बेहद जटिल है। राज्य सरकारों से उम्मीद है कि इस बारे में नियम बनाते समय वे सभी पहलुओं का ध्यान रखेंगी और ज्यादा संवेदनशीलता बरतेंगी।

दूसरा, कोर्ट ने यह भी निर्णय दिया है कि जिला कलेक्टर को यह फैसला देने का अधिकार नहीं है कि कोई संपत्ति वक्फ है या नहीं, जब तक वक्फ ट्रिब्यूनल या कोर्ट अंतिम निर्णय न कर ले। इससे कलेक्टर की शक्ति सीमित हुई है और मनमानी पर रोक लगी है। यह एक अहम संशोधन है, क्योंकि शीर्ष अदालत ने वक्फ संपत्ति जांच के प्रावधानों पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। साथ ही यह भी स्पष्ट कर दिया है कि नामित अधिकारी की आंशिक रूप से रिपोर्ट के आधार पर ही किसी प्रॉपर्टी को गैर-वक्फ नहीं माना जा सकता। समझा जाता है कि अदालत ने संपत्ति अधिकार तय करने की ताकत जिलाधिकारी को देने को संविधान में की गई व्यवस्था शक्ति के पृथक्करण के सिद्धांत के खिलाफ माना है। यह व्यवस्था इसलिए की गई है, ताकि लोकतंत्र के तीनों अहम अंगों- विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच शक्ति का संतुलन बना रहे। एक पक्ष की ओर पलड़े का थोड़ा भी झुकाव व्यवस्था के संतुलन को बिगाड़ देगा।

तीसरा, वक्फ बोर्ड में सदस्यों की संख्या और गैर-मुस्लिम सदस्यों की सीमा में संशोधन भी कुछ हद तक सुरक्षित की गई है, लेकिन कोर्ट ने कुछ प्रावधानों पर स्थगन लगाया है। लिहाजा लोगों को उम्मीद है कि अब उनकी सरकार अन्य धर्मों के लिए भी इसी तरह के कानून लाएगी व उसका अनुपालन का निर्णय करेगी।

चतुर्थ, कोर्ट ने कुछ प्रावधानों को शक्ति के 'मनमाने' प्रयोग को रोकने के लिए अस्थायी रूप से स्थगित किया है, जिसमें वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण और बुजुर्गों का धर्म पालन जैसे मुद्दे शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि वक्फ संशोधन अधिनियम के कई बिंदुओं पर विपक्ष को गहरी आपत्ति थी। इसे लेकर दोनों सदनों में और सड़क पर भी काफी हंगामा हुआ। इस मामले की गंभीरता और उसके असर को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट का फैसला जिम्मेदारी भरा है।

यूँ तो इस बाबत दायर याचिका में पूरे कानून को रद्द करने की मांग की गई थी, लेकिन शीर्ष अदालत ने इसे नहीं माना। इस तरह के कदम बेहद दुर्लभ मामलों में उठाए जाते है और इनका प्रभाव बहुत व्यापक होता है। देखा जाए तो इस मायने में सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक विवेक का इस्तेमाल किया, और यह भी ध्यान रखा कि विधायिका के साथ सीमाओं का अतिक्रमण न हो। इसलिए उसने समझदारी पूर्वक बीच का रास्ता निकाला है। कुल मिलाकर सुप्रीम कोर्ट ने इस संवेदनशील मामले में बेहद संतुलित नज़रिया अपनाया है।

सच कहा जाए तो कोर्ट का यह फैसला वक्फ कानून में संतुलित नज़रिया को अधिक न्यायसंगत और संवैधानिक बनाने की दिशा में संकेत देता है। साथ ही इसके मारफ़त सरकारी शक्तियों और व्यक्तिगत अधिकारों का संतुलन बनाने का प्रयास भी किया गया है। कोर्ट के इस फैसले से संबंधित कुछ नियम और प्रावधान तभी तक लागू नहीं होंगे, जब तक इस बारे में अधिक स्पष्ट नियम और निर्देश नहीं बन जाते।

इस तरह से स्पष्ट है कि सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संशोधन अधिनियम के कुछ प्रावधानों पर रोक लगा दी है, जबकि पूरे कानून पर पूरी तरह से रोक नहीं लगाई है। ऐसा करके उसने एक ओर जहां संतुलित नजरिया अपनाते हुए शक्ति का संतुलन बिठाने की कोशिश की है, वहीं दूसरी ओर वक्फ कानून पर फैसला देते हुए उसने अतिरिक्त संवेदनशीलता की जरूरत भी समझी है। यही वजह है कि अपेक्षाकृत विवादास्पद मामलों में उसका एक और जिम्मेदारी भरा निर्णय सामने आया है, जिससे देश-प्रदेश ने राहत की सांस ली है।

मणिपुर में विकास और शांति की एक नई भोर

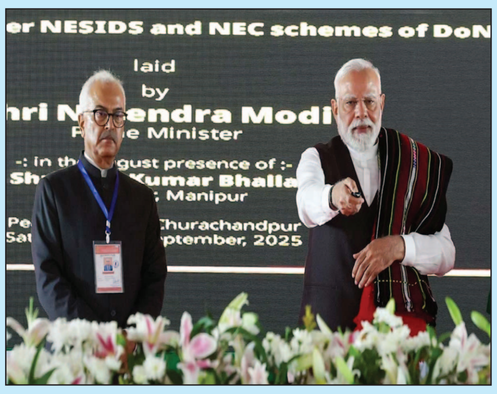

मई 2023 में मणिपुर हाईकोर्ट के एक फैसले के बाद मैतेयी और कुकी समुदायों के मध्य भड़की हिंसा से अब तक 260 लोग मारे जा चुके हैं तथा 60 हजार से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं। इस संघर्ष के आरम्भ से ही भारत के सभी विपक्षी दल निरंतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व सरकार पर हमलावर थे, उनका एक ही प्रश्न था कि मोदी जी मणिपुर कब जाएंगे ? मणिपुर को लेकर संसद ठप रखी गई। मणिपुर में महिलाओं पर हिंसा के बाद सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप किया। सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की खंडपीठ ने मणिपुर की स्थिति का जायजा लेने के लिए वहां का दौरा किया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी व अन्य नेतागण अपनी अपनी राजनीति चमकाने के लिए मणिपुर के हालातों को हथियार बनाते रहे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी कई अवसरों पर मणिपुर पर अपनी चिंता व्यक्त की। विरोधी दलों के भारी दबाव के कारण भाजपा को अपनी ही सरकार हटाकर राष्ट्रपति शासन लागू करना पड़ा।

अब प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मणिपुर दौरे से सभी को उचित उत्तर दे दिया है किंतु अब विरोधी दलों को इसमें रुचि नहीं रही क्योंकि उनका मणिपुर नैरेटिव फिलहाल समाप्त होता दिख रहा है। जिस समय भारत में मणिपुर हिंसा पर राजनीति चरम पर थी उस समय यूरोपीय संघ की संसद में मणिपुर को लेकर एक प्रस्ताव पारित हुआ था जिसे केंद्र सरकार ने भारत के आंतरिक मामले में हस्तक्षेप बताते हुए खारिज कर दिया था अतः मणिपुर को लेकर कांग्रेस ने जो देश विरोधी वैश्विक नैरेटिव चलाया था वह भी अब ध्वस्त हो गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुकी बहुल हिंसा से सर्वाधिक प्रभावित चुराचांदपुर के लिए 7,300 करोड़ रुपए से अधिक और मैतेई बहुल इंफाल के लिए 1,200 करोड़ रुपए की परियोजनाओं की घोषणा करके यह संदेश देने का प्रयास किया कि सरकार ही नहीं अपितु संपूर्ण भारत उनके साथ है। प्रधानमंत्री मोदी ने मणिपुर यात्रा के दौरान हिंसा पीड़ितों से भेंट करते हुए उन्हें सुरक्षा शांति तथा विकास का भरोसा दिया।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने मणिपुर को भारत की मणि बताते हुए कहा कि मणिपुर में उम्मीद और विश्वास की नई सुबह दस्तक दे रही है। किसी भी स्थान पर विकास के लिए शांति बहुत अनिवार्य है। आपसी संवाद और भरोसे से ही विवाद को समाप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार मणिपुर के विभिन्न समुदायों के बीच आपसी संवाद, सम्मान और समझौते को महत्व देते हुए शांति की स्थापना के लिए निरंतर प्रयास रही है।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे से पूर्व गृह मंत्रालय के लगातार प्रयासों के बाद दोनो समुदायों के बीच तनाव कम करने के काफी प्रयास किये है जिनका प्रभाव दिखाई पड़ने लगा है। लगातार चल रहे संवाद के कारण ही कुकी बहुल क्षेत्र से होकर निकलने वाला एनएच दो हाईवे अब पूरी तरह से खुल गया है और जनता व वस्तुओं की आवाजाही शुरू हो चुकी है। मणिपुर में अभी शांति के लिए कई अहम पड़ाव आने हैं। मैतेयी ओर कुकी समुदाय के बीच कुछ मतभेद अभी भी बरकरार हैं जिनको सुलझाने के प्रयास जारी हैं। इसमें कुकी समुदाय के लोग मणिपुर की छत के नीचे ही अपने लिए एक अलग व्यवस्था की मांग कर रहे हैं फिर भी अब मणिपुर की समस्या का उचित समाधान निकलने की आस जग गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने विकास कार्यों के लोकार्पण के बाद एक रैली को संबोधित किया जिसमें लाखों लोगों की भीड़ उमड़ी जो मोदी-मोदी के नारे लगा रही थी। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि जनसमुदाय मान चुका है कि प्रधानमंत्री मोदी के आने से मणिपुर में विकास और शांति लाने वाली एक नयी भोर हुई है।

अजब-गजब

टैटू बनवाने का शौक, महिला ने खुद को बना लिया भूत, अजीब लुक पर खर्च किए इतने रुपये, जानकर हो जाएंगे हैरान!

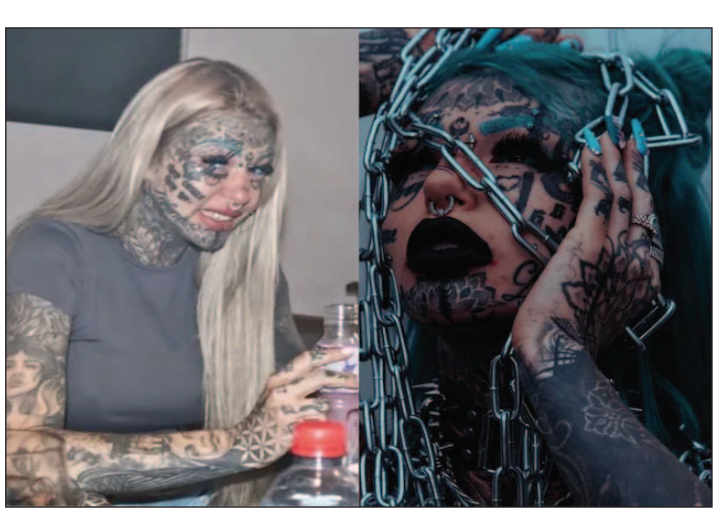

टैटू बनवाना आज के समय में आम बात है। मगर कई बार लोग इतने ज्यादा टैटू बनवा लेते हैं कि उनके शरीर पर सिर्फ टैटू ही टैटू नजर आता हैं। ऐसा ही कुछ एक महिला को देखकर भी लगेगा। वो टैटू से इस कदर भरी है कि असली स्किन नजर नहीं आती। अब इस महिला ने बताया है कि उसने टैटू पर कितने रुपये खर्च किए हैं।

सुंदरता की परिभाषा हर किसी के लिए अलग होती है। कोई इसे सादगी में देखता है तो कोई इसे प्रयोग और बदलाव में। ऑस्ट्रेलिया की एंबर ल्यूक (Amber Luke) का नाम इसी अनोखे नजरिए से जुड़ा है। 30 वर्षीय एंबर को आज 'ऑस्ट्रेलिया की सबसे ज़्यादा टैटू वाली महिला' कहा जाता है, क्योंकि उनके शरीर का लगभग 98% हिस्सा टैटू से ढका हुआ है। एंबर की टैटू बनवाने की यात्रा महज़ 16 साल की उम्र में शुरू हुई थी। पहला टैटू बनवाने के बाद ही उनकी रुचि इतनी गहरी हो गई कि धीरे-धीरे यह जुनून में बदल गई। अब उनके शरीर पर कैलीग्राफी, पोर्ट्रेट्स और प्रतीकात्मक डिज़ाइनों का विशाल संग्रह है।

एंबर ने हाल ही में इंस्टाग्राम चैट में खुलासा किया कि उनकी इस बॉडी आर्ट की कीमत किसी को भी हैरान कर सकती है। अब तक उन्होंने 1.77 लाख पाउंड (करीब 1.8 करोड़ रुपये) सिर्फ टैटू पर खर्च किए हैं। हालांकि, कई बार कुछ टैटू आर्टिस्ट्स ने मुफ्त में भी उनका काम किया है, लेकिन कुल निवेश लाखों पाउंड तक पहुंच चुका है। टैटू के अलावा एंबर ने कई कॉस्मेटिक सर्जरी और बॉडी मॉडिफिकेशन भी करवाए हैं। इनमें टंग स्प्लिटिंग (जीभ को दो हिस्सों में बांटना), डर्मल पियर्सिंग, और सिर पर सींग (horns) इम्प्लांट करवाना शामिल है।

सबसे खतरनाक और चर्चित प्रक्रिया रही आंखों का टैटू करवाना, जिसमें उन्होंने अपनी आंखों को नीला रंग दिलाया। इस प्रक्रिया के बाद वह लगभग तीन हफ्तों तक अंधी हो गई थीं। इसके बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और प्रक्रिया दोबारा करवाई। एंबर का यह अनोखा और साहसी लुक सभी को पसंद नहीं आता। उन्हें कई बार आलोचनाओं और नकारात्मक टिप्पणियों का सामना करना पड़ा है लेकिन वह इसे लेकर बेहद स्पष्ट हैं। उनके शब्दों में- "कभी-कभी मानसिक रूप से मैं मजबूत रहती हूं और कभी-कभी नहीं, लेकिन सबसे अहम बात यह है कि हर किसी की सुंदरता को देखने का अपना नजरिया होता है।" उन्होंने यह भी कहा कि इंसान को अपने सपनों का पीछा करना चाहिए, भले ही लोग कुछ भी कहें। "अगर आप सिर्फ समाज के मानकों को पूरा करने के लिए बदलाव कर रहे हैं, तो आप गलत कर रहे हैं। आपको यह सब खुद के लिए करना चाहिए।"

ब्लॉग

टेंशन बढ़ाती चौपहियाओं को खड़ी करने की समस्या

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

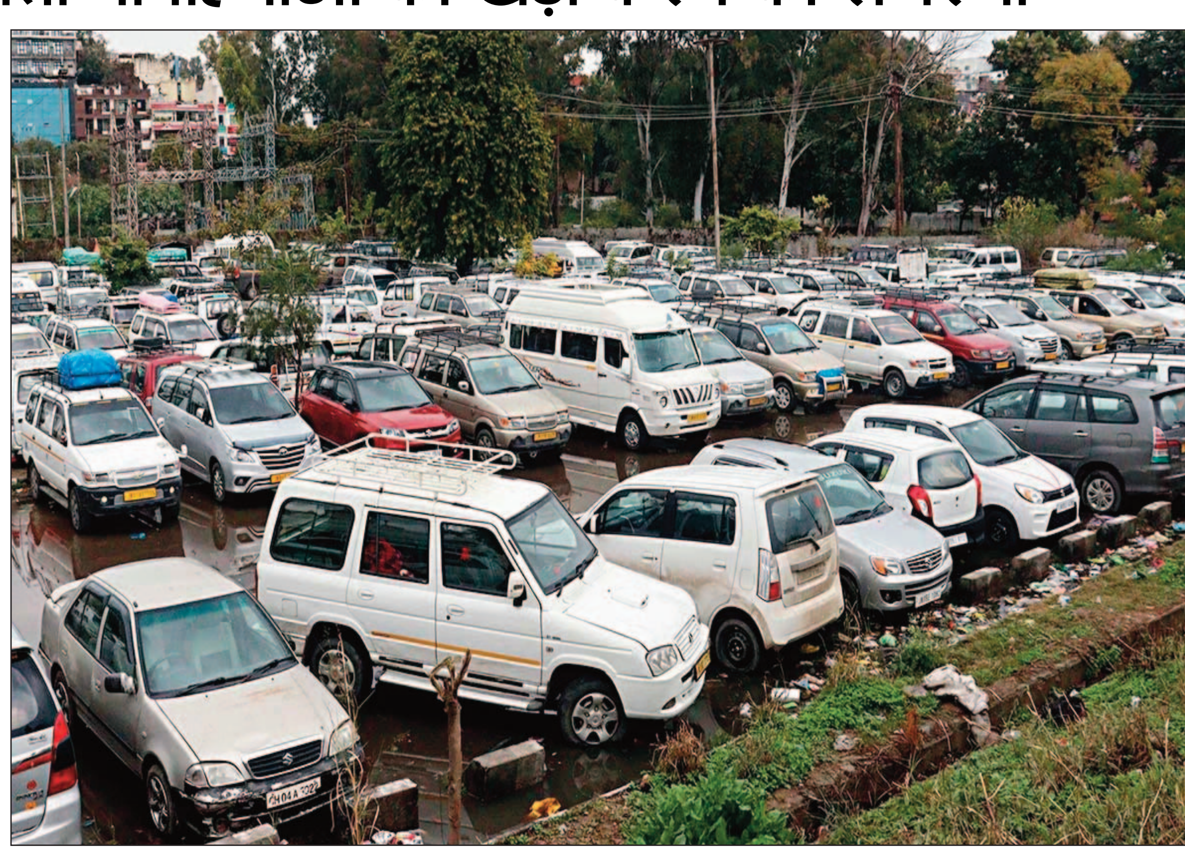

पिछले दिनों समाचार पत्रों में दो समाचारों की सुर्खियां प्रमुखता से देखी गई। पहला समाचार यह कि एक मोटे अनुमान के अनुसार नोएडा में साल भर में एक लाख से अधिक नए वाहन खरीदे जाते हैं तो दूसरा समाचार दिल्ली से जुड़ा है और इसमें यह कि दिल्ली में कहीं भी जाओं तो वाहन को पार्किंग के लिए खड़ा करने में औसतन 20 मिनट तो लग ही जाते हैं। दोनों समाचार ही देष में आर्थिक उन्नती को दर्शाने के साथ ही लोगों के जीवन स्तर में तेजी से सकारात्मक बदलाव को इंगित करते हैं। पर इसके साथ ही यह भी साफ हो जाता है कि हमारे शहर आज और आने वालों सालों के लिए अभी तक पूरी तरह से तैयार नहीं है। एक और वाहनों की मांग और खरीद बढ़ती जा रही है और इसमें भी बड़ा बदलाव यह देखा जा रहा है कि अब लक्जीरियस वाहनों की खरीद को अधिक प्राथमिकता दी जाने लगी है तो दूसरी और ऑफिस या किसी काम से घर से बाहर निकलने पर वाहन को पार्क करने की समस्या दिन प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। हालात यहां तक हो गए हैं कि वाहनों की पार्किंग को लेकर तू तू मैं मैं, झगड़ा और मारपीट तो आम होती जा रही हैं वहीं वाहन खड़ा करने को लेकर जानलेवा हमला और जान ले लेने तक के समाचार अखबारों की यदा कदा सुर्खियां बनते जा रहे हैं। रोडरेज की घटनाएं आम होती जा रही है।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि यह समस्या कोई नोएडा या दिल्ली की ही नहीं हैं अपितु कमोबेस यह समस्या देश के किसी भी शहर में गंभीर रुप लेती देखी जा सकती हैं। दरअसल हमारे नगर नियोजकों व शहरी नियामक संस्थाओं ने पार्किंग की समस्या को गंभीरता से लिया ही नहीं है। गांवों को निगलकर शहरों का विस्तार होता जा रहा है तो गगनचुंबी इमारते बनती जा रही है। आबादी का घनत्व और दबाव बढ़ता जा रहा हैं। जिस अनुपात में यह बदलाव आ रहा है उस अनुपात में भविष्य की संभावनाओं और चुनौतियों की और ध्या नही नहीं दिया जा रहा है। आबादी के पास के एक समय के बड़े बड़े बंगले अब मल्टीस्टोरी बिल्डिंग और मॉल्स में तब्दील होते जा रहे हैं। जहां पहले एक बंगले से एक समय में एक या दो वाहनों का ही यातायात दबाव पड़ता था वहीं अब उसी स्थान पर बनें मल्टी स्टोरी में बहुत से फ्लेट्स होने के कारण बहुत से परिवार रहने के कारण औसतन डेढ़ गाड़ी का दबाव भी माना जाएं तो साफ हो जाता है कि रोड पर वाहनों का दबाव तो पड़ेगा ही। जहां तक मॉल्स का सवाल है अधिकतर माल्स में पार्किंग की सुविधा तो होती है पर अधिकांश पार्किंग तो माल्स में बिजनस प्रतिष्ठानों के मालिकों, कार्मिकों आदि से ही भर जाते हैं तो वहां आने वालों के लिए पार्किंग की समस्या बन ही जाती है। पार्किंग की समस्या को लेकर भी दो तरह की समस्या से दो चार होना पड़ रहा है। एक तो यह कि अब घरों कालोनियों में भी वाहन पार्किंग की समस्यां गंभीर होती जा रही है। इसका बड़ा कारण एक ही परिवार में एक से अधिक वाहनों और वह भी लक्जीरियस वाहन एमयूवी/एसयूवी का होना आम होता जा रहा है तो दूसरी और सार्वजनिक परिवहन साधनों की योजनाबद्ध उपलब्धता नहीं होना है। कहने को तो अब ओला-उबेर की बात की जाने लगी है या दिल्ली-मुंबई जैसे बड़े शहरों में मेट्रो ट्रेन की बात की जा सकती है पर समस्या का समाधान यह इसलिए नहीं है कि नई कालोनियों के विकास के अनुसार इनकी सहज उपलब्धता का सवाल भी होता है।

भले ही यह बात थोड़ी अजीब अवश्य लगे पर अब शहरों में घरेलू या यों कहें कि निजी चौपहिया वाहनों की पार्किंग की समस्या गंभीर होती जा रही है। यह सही है कि यह समस्या केवल और केवल हमारे महानगरों तक सीमित ना होकर दुनिया के अधिकांश देशों के सामने तेजी से विस्तारित होती जा रही है।

दुनिया के देश चौपहिया वाहनों की पार्किंग समस्या से दो चार हो रहे हैं और इस समस्या के समाधान के लिए अनेक विकल्पों पर मंथन कर रहे हैं। यहां तक की पार्किंग शुल्क से अच्छी खासा आय होने लगी है। अकेले भारत की ही बात करें तो देश में पांच करोड़ से अधिक कारें चलन में हैं और हर साल में इसमें इजाफा ही होता जा रहा है। एक मोटे अनुमान के अनुसार दिल्ली में उपलब्ध कारों की पार्किंग के लिए ही चार हजार से अधिक फुटवाल के मैदानों जितनी जगह की आवश्यकता है। अगर दिल्ली की ही पार्किंग से आय की बात करें तो यह कोई 9800 करोड़ से अधिक की हो जाती है। देश के किसी भी कोने में किसी भी शहर की गलियों में निकल जाएं तो देखेंगे कि गलियों में घरों के बाहर सड़क की आधी जगह तो कारों के पार्किंग से ही सटी होती हैं। यानी कि एक ही घर में एक से अधिक कार/वाहन होना अब आम होता जा रहा है। किसी भी शहर में आफिस या बाजार खुलने बंद होने के समय तो जाम लग जाना आम होता जा रहा है। यह सब तो तब है जब आबादी की तुलना में कारों की संख्या कम है। आने वाले सालों में कारों की संख्या में इजाफा ही होगा। इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती।

दरअसल इस सबके अनेक कारणों में से उपनगर विकसित करने पर ध्यान नहीं देना, व्यस्ततम स्थानों पर ही बहुमंजिला इमारतें बनाने की छूट देना, शहरी सार्वजनिक यातायात तंत्र का विकसित नहीं होना, वाहनों की खरीद सहज होना और वाहनों की पार्किंग के लिए दूरगामी योजना का अभाव होना माना जा सकता है। दरअसल चौपहिया वाहनों की जिस तरह से सुगम ऋण सुविधा व पैसों के तेजी से बढ़ते प्रवाह के कारण सहज पहुंच हुई है उसका एक सकारात्मक परिणाम यह सामने आया हैं कि जिस तरह से अमीर गरीब सभी के लिए मोबाइल आम होता जा रहा हैं ठीक उसी तरह से चौपहिया वाहन आम होता जा रहा हैं।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी की माने तो 2050 तक दुनिया के देशों में केवल और केवल कारों की पार्किंग के लिए ही 80 हजार वर्ग किलोमीटर स्थान की आवश्यकता होगी। इसका मतलब यह कि छोटा मोटा देश आसानी से इस जगह में समा सके। शहरी विकास संस्थाओं और योजना नियंताओं को निजी कारों की पार्किंग को लेकर ठोस कार्ययोजना तैयार करनी ही होगी। मजे की बात यह है कि अब कार बाजार इलेक्ट्रिक कारों में शिफ्ट होता जा रहा है, ऐसे में चार्जिंग स्टेशनों के लिए भी समय रहते जगह तलाशनी होगी। पेड पार्किंग स्थानों पर ऑटोमेटिक बहुमंजिला पार्किंग व्यवस्था हो तो और भी अधिक सुविधाजनक हो सकती है। बहु मंजिला इमारतों और माल्स में भी पार्किंग की अधिक सुविधा होना समय की मांग हो गई है। दरअसल इस सबके लिए समय रहते दूरगामी नीति बनानी होगी ताकि समस्या सुरसा के मुंह की तरह बढ़ नहीं जाएं। वास्तुकारों और नियोजकों के लिए यह अपने आप में चुनौती पूर्ण काम हो गया है। किराए की पार्किंग व्यवस्था सस्ती व सहज उपलब्धता वाली भी होनी चाहिए। शहरी निकाय संस्थाओं को इस और गंभीरता से प्रयास करने होंगे वहीं कोलोनाइजरों को भी इस दिशा में पहले से ही रोडमेप बनाकर चलना होगा नहीं तो आने वाले समय में यह एक और नई समस्या दस्तक देने वाली है। सरकार के सामने दोहरी चुनौती है एक और तो ऑटोमोबाईल उद्योग को बढ़ावा देना है तो दूसरी और पार्किंग की समस्या का कोई ना कोई योजनाबद्ध सहज हल खोजना होगा।

'सिर में चोट से नहीं, मुंह में गोली मारने से मौत...' नीट छात्र मर्डर केस में पुलिस की थ्योरी पर परिवार के सवाल

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के पिपराइच थाना क्षेत्र के मऊआचापी गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। नीट की तैयारी कर रहे छात्र दीपक गुप्ता की बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस घटना ने पूरे इलाके को दहला दिया है। वहीं, दीपक के परिजन का कहना है कि उसकी हत्या गोली मारकर की गई, लेकिन पुलिस इस दावे से सहमत नहीं है और सिर में चोट को मौत का कारण बता रहा है।

दीपक के पिता दुर्गेश गुप्ता और मां सीमा गुप्ता का कहना है कि प्रशासन सच छिपा रहा है। उनका आरोप है कि पुलिस और प्रशासन दोषियों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। परिवार की मांग है कि सभी आरोपी पशु तस्करों का एनकाउंटर किया जाए। मां सीमा गुप्ता ने रोते हुए कहा कि उनके बेटे की हत्या के बाद पूरा परिवार बर्बाद हो गया है। उन्होंने सरकार से मांग की कि उनके पति को नौकरी दी जाए और छोटे बेटे के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए आर्थिक मदद भी की जाए।

परिवार बोला- दीपक को मारी गई थी गोली

परिवार ने यह भी बताया कि पुलिस दीपक को लेकर मेडिकल कॉलेज गई थी और वहीं से फोन करके शव की पहचान के लिए बुलाया गया। जब परिजन पहुंचे तो दीपक की हालत देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। उन्होंने साफ कहा कि दीपक को गोली मारी गई थी, लेकिन जिलाधिकारी और प्रशासन इस बात को मानने से इंकार कर रहे हैं।

शव 4 किमी दूर बरामद
पीछा करते समय दीपक की स्कूटी अचानक फिसल गई और वह सड़क पर बुरी तरह गिर पड़ा। तभी तस्करों ने मौका पाकर उसे उठा लिया और अपनी गाड़ी में डालकर फरार हो गए। कुछ घंटों बाद दीपक का शव गांव से करीब चार किलोमीटर दूर बरामद हुआ। शव देखकर हर कोई दहशत में आ गया। दीपक का सिर बुरी तरह कुचला हुआ था और खून से लथपथ उसका चेहरा पहचानना मुश्किल हो रहा था।

घटना सोमवार देर रात करीब 11:30 बजे की है। बताया जा रहा है कि दो पिकअप गाड़ियों में सवार होकर 10 से 12 लोग गांव में पहुंचे। उन्होंने एक फर्नीचर की दुकान का शटर तोड़ने की कोशिश की। शटर पर पड़ती तेज खटखटाहट से पास में सो रहे युवक की नींद खुल गई। उसने तत्काल अपने भाई दीपक को फोन करके घटना की जानकारी दी।

सूचना मिलते ही दीपक स्कूटी लेकर मौके की ओर दौड़ा। कई ग्रामीण भी उसके साथ हो लिए। जैसे ही तस्करों ने ग्रामीणों को अपनी ओर आते देखा, वे पिकअप से भागने लगे। ग्रामीणों ने एक गाड़ी को घेरकर रोक लिया, लेकिन दूसरी गाड़ी से तस्कर तेजी से भाग निकले। दीपक ने हिम्मत दिखाते हुए अपनी स्कूटी से उस गाड़ी का पीछा शुरू कर दिया।

गांव में गुस्से का माहौल है। लोग प्रशासन से सवाल कर रहे हैं कि आखिर कब तक निर्दोष लोग पशु तस्करों की हिंसा का शिकार बनते रहेंगे। ग्रामीणों की मांग है कि दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा दी जाए, ताकि दोबारा ऐसी वारदात न हो।

भारत सरकार से आई पशुपालन टीम ने गाजियाबाद में बन रहे ए बी सी सेंटर का लिया जाएजा

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। नगर निगम में चल रहे एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर का श्री मुथुकुमारासामी बी. IAS जॉइंट सेक्रेटरी पशुपालन विभाग भारत सरकार द्वारा जायजा लिया गया मौके पर नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक सहित अन्य अधिकारी व टीम भी उपस्थित रही, नंदी पार्क स्थित एबीसी सेंटर पर श्वान स्टेरलाइजेशन के लिए चल रहे कार्यों में रिपोर्ट को देखा गया इसके अलावा श्वान के शव दहा गृह कभी निरीक्षण किया गया जिसकी संपूर्ण जानकारी डॉक्टर अनुज उपमुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी द्वारा दी गई, मौके पर डॉक्टर की टीम से भी वार्ता करते हुए जानकारी ली गई, नए बस अड्डे पर स्थित दूसरे एनिमल बस कंट्रोल सेंटर का भी निरीक्षण किया गया जहां पर श्वान के स्टेरलाइजेशन के लिए चल रही तैयारी को देखा गया तथा दवाइयां व अन्य उपकरणों की भी जानकारी ली गई1 नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम श्वान स्टेरलाइजेशन, रेबीज की टीकाकरण तथा माइक्रोचिप लगाने की कार्यवाही को रफ्तार से कर रहा है, जिसकी प्रेजेंटेशन भारत सरकार से आई टीम के सामने दी गई जिसमें वरिष्ठ अधिकारी श्री मुथुकुमारासामी बी. IAS जॉइंट सेक्रेटरी पशुपालन विभाग भारत सरकार द्वारा फीडिंग पॉइंट को शहर में जल्द बनवाने, तथा शेल्टर होम की स्थापना हेतु तेजी से कार्यवाही करने की निर्देश दिए गए तथा आवश्यक सुझाव भी दिए गए, AWBI से डॉ एस के दत्ता भी मौके पर उपस्थित रहे1 संबंधित अधिकारियों द्वारा चल रहे कार्यों की प्रेजेंटेशन दी गई माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेश के क्रम में गाजियाबाद नगर निगम तेजी से कार्य शहर वासियों के हित में करे।

कुएं में कूदी बहू, फिर जेठ ने भी लगाई छलांग... दोनों की मौत, सामने आई ये वजह

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। यहां मंगलवार के दिन एक महिला का परिवार में झगड़ा हुआ। वो गुस्से में तमतमाते हुए घर सि निकल गई। फिर कुएं में उसने छलांग लगा दी। पीछे घर वाले भी आ रहे थे। जेठ भी फिर बहू को बचाने के लिए कुएं में कूद गया। मगर दोनों की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

मामला मंगलपुर थाना क्षेत्र के मजरा बलवंतपुर का है। यहां एक महिला पारिवारिक विवाद के बाद घर के पास ही मौजूद एक सूखे कुएं में कूद गई। बहू को बचाने के लिए जेठ भी कुएं में उतरा। इस दौरान जहरीली गैस का रिसाव होने से दोनों कुएं के अंदर बेसुध हो गए। जिसके बाद लोगों के बीच हड़कंप मच गया। लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने परिजनों और लोगों की मदद से दोनों को कड़ी मशक्कत कर कुएं से बाहर निकाला और तत्काल अस्पताल लेकर गए। जहां डॉक्टरों ने जांच करने के बाद मृत घोषित कर दिया। दोनों मरने वालों की पहचान कविता (32) और नरेंद्र (40) के रूप में हुई है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

मामले में पुलिस ने क्या बताया?

पुलिस ने कहा- मामला घरेलू विवाद का है। घर में लड़ाई हुई तो महिला पास के कुएं में कूद गई। उसे बचाने के चक्कर में जेठ ने भी कुएं में छलांग लगाई। वो उसे बचाने की कोशिश कर रहा था। मगर वहां जहरीली गैस होने के कारण दोनों बेसुध हो गए। हमें मामले की जानकारी हुई तो एक टीम मौका-ए-वारदात पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद दोनों को कुएं से बाहर निकाला गया। आनन-फानन में दोनों को अस्पताल ले जाया गया। मगर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शवों का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया है। मामले में जांच जारी है। वहीं, परिवार के दो लोगों की एक साथ मौत से मातम पसर गया है। घर वालों का रो-रोकर बुरा हाल है।

राई गांव में विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप

अलीगंज/एटा। अलीगंज कोतवाली क्षेत्र के राई गांव में सोमवार देर रात एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान श्री देवी पत्नी मनोज कुमार के रूप में हुई है। उनका शव मकान की दूसरी मंजिल पर फंदे से लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही अलीगंज पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी। मृतका के मायके पक्ष ने ससुरालियों पर हत्या कर शव को फांसी पर लटकाने का गंभीर आरोप लगाया है। घटना के बाद से ससुराल पक्ष के सभी सदस्य घर छोड़कर फरार बताए जा रहे हैं। थाना प्रभारी अलीगंज विपिन कुमार ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर रात में ही पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए एटा मोर्चरी भेज दिया। उन्होंने कहा कि मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही स्पष्ट हो सकेगा। मायके पक्ष की तहरीर के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रामभद्राचार्य की कथा समाप्त, टेंट हाउस को नहीं मिला पूरा पेमेंट, 42 लाख नहीं देने के आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ स्थित भामाशाह पार्क में आयोजित स्वामी रामभद्राचार्य की रामकथा 8 सितंबर से शुरू होकर 14 सितंबर को समाप्त हो गई। शुरुआत में यह आयोजन रामभद्राचार्य की ओर से दिए गए बयानों के चलते सुर्खियों में रहा, लेकिन अब कथा समाप्त होने के बाद एक नया विवाद सामने आ गया है। यह विवाद कथा से जुड़े भुगतान को लेकर है।

आयोजन के लिए टेंट और सजावट की जिम्मेदारी संभालने वाली कंपनी AB क्रिएशन एक्टिविटी के मालिक अनुज अग्रवाल ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि कथा के दौरान उनकी कंपनी और महामंडलेश्वर मां लाडलीनंद सरस्वती जी के बीच लगभग 87 लाख रुपये का अनुबंध तय हुआ था। अनुज के मुताबिक, इस अनुबंध के तहत उन्हें शुरुआत में 20 लाख रुपये एडवांस दिए गए थे। इसके अलावा कार्यक्रम के दौरान कुछ और रकम का भुगतान किया गया, लेकिन अब भी करीब 42 लाख रुपये का भुगतान बकाया है।

बकाया राशि 42 लाख रुपये का भुगतान नहीं

अनुज अग्रवाल का आरोप है कि कथा समाप्त होने के बाद से लगातार बकाया राशि मांगने के बावजूद उन्हें न तो पैसा दिया गया और न ही फोन कॉल्स का कोई जवाब मिल रहा है। उनका कहना है कि महामंडलेश्वर मां लाडलीनंद सरस्वती जी से सीधे यह अनुबंध तय हुआ था और इसी स्तर पर उन्हें पूरा भुगतान सुनिश्चित किया जाना चाहिए था। लेकिन अब तक कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई।

अनुज ने यह भी बताया कि जब वे अपनी बकाया राशि की मांग करने महामंडलेश्वर जी के निवास स्थान पर पहुंचे तो वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें अंदर जाने नहीं दिया और उन्हें जबरन वहां से भगा दिया गया। कंपनी के मालिक का कहना है कि उन्होंने आयोजन के दौरान कई सप्लायर्स और कामगारों से सामान एवं सेवाएं ली थीं, जिनका भुगतान अब वह स्वयं करने की स्थिति में नहीं हैं।

मिल रहीं धमकियां

अनुज के मुताबिक, कई सप्लायर लगातार उन पर दबाव बना रहे हैं और भुगतान की मांग कर रहे हैं। यह पूरा मामला उनके व्यवसाय और व्यक्तिगत सुरक्षा दोनों के लिए संकट बन गया है। अनुज अग्रवाल का कहना है कि उन्होंने ईमानदारी से पूरा काम पूरा किया, लेकिन अब न केवल उनका पैसा अटका हुआ है, बल्कि वे लगातार मानसिक दबाव और धमकियों का सामना भी कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस पर 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान' का आगाज

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगंज/एटा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर मंगलवार को देशभर में 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान' की शुरुआत की गई। यह अभियान 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलेगा और सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाया जाएगा। इसके अंतर्गत प्रत्येक सीएचसी, पीएचसी और मेडिकल कॉलेज में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिनमें महिलाओं और बच्चों की स्वास्थ्य जांच, मातृ एवं शिशु देखभाल, जागरूकता और व्यवहार परिवर्तन संबंधी जानकारी प्रदान की जाएगी। अलीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम में विधायक अजीत राठौर की पत्नी अनीता राठौर एवं उनके पुत्र सूरज राठौर ने संयुक्त रूप से रिबन काटकर अभियान का उद्घाटन किया। इसके बाद उपस्थितजनों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्चुअल संबोधन सुना। इस अवसर पर अनीता राठौर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से प्रगति कर रहा है। महिलाओं के सशक्तिकरण और स्वास्थ्य सुधार की दिशा में निरंतर ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। सीएचसी अलीगंज के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. शिव कुमार ने बताया कि सेवा पखवाड़े के तहत यहाँ 13 विशेष काउंटर स्थापित किए गए हैं। इनमें एनसीसी, हीमोग्लोबिन जांच, शिशु टीकाकरण, एनसीडी बीपी एवं शुगर जांच, महिला एवं बाल विकास, क्षय रोग, परिवार नियोजन, आभा कार्ड एवं आयुष्मान गोल्डन कार्ड पंजीकरण, मानसिक स्वास्थ्य, परामर्श योग, आरबीएसके व आरकेएसके संचारी रोग, तथा आयुष विभाग के इंस्टाल शामिल हैं।

'रोटी खिला दो...' बुजुर्ग ने किया इनकार को भड़का युवक, भाला घोंपकर हत्या

आर्यावर्त संवाददाता

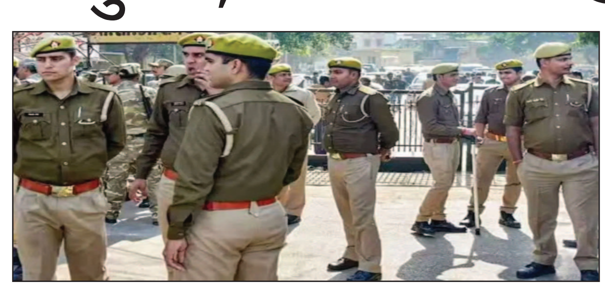

हाथरस। उत्तर प्रदेश के हाथरस से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने बुजुर्ग की हत्या इसलिए कर दी क्योंकि उसने खाने के लिए रोटी मांगी थी जो उसे नहीं दी गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। हत्या का पूरा मामला जिले के चंदपा कोतवाली क्षेत्र के केवलगढ़ी गांव का है।

मृतक की पहचान डोरी लाल उपाध्याय (75) के रूप में हुई है। आरोपी युवक का नाम किशनपाल कश्यप है। हत्या का ये मामला 12 सितंबर की रात का है। आरोपी ने पुलिस की पूछताछ में हत्या की बात कुबूल की। साथ ही बताया कि उसने 10वीं तक पढ़ाई की है। उसके दो भाई हैं, एक प्राइवेट स्कूल में टीचर है। दूसरा राज मिस्त्री है। वो डोरी लाल उपाध्याय की खेत की रखवाली करता था।

भाला उठाया और कर दी हत्या

आरोपी ने बताया कि खेत की रखवाली के बदले डोरी लाल उपाध्याय उसे रोटी खिलाते थे। 12 तारीख को वो खेत में था। फिर कुछ देर बाद वो डोरी लाल उपाध्याय के पास गया और उनसे कहा कि वो उसे खाना दे दें, लेकिन डोरी लाल उस पर चोरी का आरोप लगाकर उसे डांटने और गालियां देने लगें। इस पर उसको गुस्सा आ गया। फिर उसने खेत में ही पड़ा भाला उठाया और डोरी लाल की हत्या कर दी। फिर मौके से भाग गया।

13 सितंबर को डोरी लाल का शव खेत में खून से लथपथ मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। फिर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पोस्टमार्टम में धारदार हथियार से हत्या की बात सामने आई। इसके बाद पुलिस ने अज्ञात हत्यारे के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू की। फिर हत्यारोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया गया।

मामले में पुलिस ने क्या बताया?

इस पूरे मामले में एसपी चिरंजीव नाथ सिन्हा ने बताया कि इस हत्याकांड के खुलासे के लिए तीनों का गठन किया गया था। इन तीनों टीमें ने अपर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में काम किया। एंटी थेफ्ट और सर्विलांस टीम भी मामले में लगी हुई थी। आरोपी को जेल भेज दिया गया है। उसकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल भाला भी बरामद कर लिया गया है।

पीएम के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर लगी प्रदर्शनी, प्रभारी मंत्री ने किया शुभारंभ

आर्यावर्त संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। कलेक्ट्रेट परिसर बुधवार को पीएम नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व की झलक से सराबोर रहा। प्रधानमंत्री के जीवन, संघर्षों, नीतियों और उपलब्धियों पर आधारित जिला स्तरीय प्रदर्शनी का शुभारंभ प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने फीता काटकर किया। इस मौके पर उनके साथ विधायक योगेश वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह, राज्य महिला आयोग सदस्य सुजीता कुमारी, डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एसपी संकल्प शर्मा और सीडीओ अभिषेक कुमार मौजूद रहे। जिला प्रशासन एवं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के संयुक्त तत्व अवधान में आयोजित इस प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री के बचपन से लेकर राष्ट्र निर्माण तक की यात्रा को तस्वीरों और दस्तावेजों के जरिये जीवंत किया गया है। केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण नीतियां, निर्णय और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने वाले पैनल लोगों का विशेष आकर्षण बने। प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि पीएम के कृतियों से हमें प्रेरणा मिलती है, उनके नेतृत्व में देश को नई दिशा मिली है और देश समृद्ध शक्तिशाली के रूप में उभर कर आया है। पीएम का जीवन संघर्षों से भरा रहा है, सभी को उनसे प्रेरणा लेना चाहिए, नेतृत्व में नए नए आयाम को प्राप्त कर रहे है। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने बताया कि प्रदर्शनी से आम जनमानस केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओ के साथ ही महत्वपूर्ण ज्ञानवर्धक जानकारी प्राप्त कर सकते है और प्रधानमंत्री के जीवन से जुड़े कृतित्व और व्यक्तित्व से जुड़ी जानकारी प्राप्त कर सकते है। सीडीओ अभिषेक कुमार ने पीएम के व्यक्तित्व एवं कृतित्व प्रकाश डाला। इस दौरान उन्होंने पीएम के व्यक्तित्व एवं कृतित्व व शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता बताइ।

2 लोगों के नाम पर 99 पॉलिसी, महोबा में पीएम फसल बीमा योजना में कैसे हुई लूट?

आर्यावर्त संवाददाता

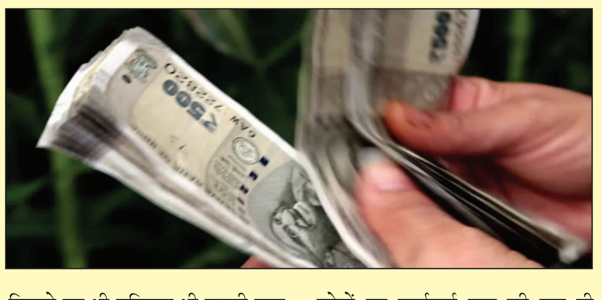

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में फसल बीमा के नाम पर बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आ रहे हैं। यहां जांच के दौरान एक सख्स के नाम पर 65 तो दूसरे के नाम पर 34 फसल बीमा पॉलिसी सामने आईं हैं। मध्यप्रदेश के सागर जिले में रहने वाले लोगों के नाम पर पॉलिसी लिए जाने व भुगतान के मामले सामने आने के बाद इस घोटाले के और बड़ा होने के आसार हैं। मामले को लेकर किसान संगठन ने सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत फसल का बीमा कराने और क्लेम लेने के मामले में महोबा जिला अव्वल रहा है। हालांकि, जब इसकी हकीकत परखी गई तो पता चला कि बहुत कम किसानों ने ही फसल बीमा पॉलसी ली और उन्हें क्लेम मिलने का भी प्रतिशत भी काफी कम है। मामले में बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। फर्जीवाड़ा गिरोह के लोगों ने बीमा कंपनी के अधिकारियों व कर्मचारियों से मिलीभगत करके अनेक फर्जी पॉलिसी करा लीं और लाखों रुपये का क्लेम भी ले लिया।

10 आरोपी गिरफ्तार

मामले में पुलिस ने अब-तक अलग-अलग छह एफआईआर दर्ज करके 26 नामजद सहित कई अन्य लोगों पर कार्रवाई शुरु की कर दी है। मामले में पुलिस ने 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया है। कृषि विभाग ने कार्रवाई करते हुए कार्यालय में पदस्थ फसल बीमा के पटल सहायक अतुलेंद्र विक्रम सिंह को निलंबित कर दिया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है। जांच में एक व्यक्ति के नाम पर कई फसल बीमा पॉलिसी मिली, यही नहीं उसने क्लेम भी निकाल लिया है।

व्यक्ति के पर 65 बीमा पॉलिसी

जांच के दौरान ब्लॉक कबरई के सिजवाहा गांव की जमीन पर हुए फसल बीमा पॉलिसी का रजिस्टर देखा गया कि, यहां पर आर्यन राजपूत नाम के व्यक्ति पर कुल 65 पॉलिसी ली गई। वो मूल रूप से मध्यप्रदेश के सागर जिला का रहने वाला बताया जा रहा है। उसके नाम पर 65 पॉलिसी को मिलाकर तीन लाख चार सौ आठ रुपये का क्लेम ले लिया गया है।

महिला के नाम पर 34 बीमा पॉलिसी

वहीं जांच के दौरान एक महिला के नाम पर 34 फसल बीमा पॉलिसी मिली। महिला सागर जिले के खुरई गांव की निवासी बताई जा रही है। उसका नाम दीप्ति है। बीमा के दस्तावेजों के मुताबिक यहां पर खेती करते हुए दीप्ति ने मूंगफली की फसल की बोआई की। महिला ने इसके लिए अलग-अलग 34 फसल बीमा पॉलिसी लीं। फसल में नुकसान होने के बाद उसके तीन लाख 37 हजार सात सौ अड़तालीस रुपये का क्लेम ले लिया। हालांकि, वास्तव में सिजवाहा गांव के लोग दीप्ति को जानता भी नहीं हैं।

सीबीआई जांच की मांग

मामला सामने आने का बाद किसान यूनियन का कहना है कि सिजवाहा गांव की तरह जिले के अन्य कई गांवों में भी फर्जीवाड़े हुए है। किसानों के नाम पर करोड़ों रुपये के घोटाले में जांच धीमी है। इसलिए किसान यूनियन ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मामले की सीबीआई से जांच कराने की मांग रखी है।

पेडियाट्रिक वेलफेयर सोसायटी गाजियाबाद द्वारा 'पीडिया – क्वेस्ट 2025' का समापन

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। डायमंड प्लेस गाजियाबाद पर पेडियाट्रिक वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आयोजित पीडीया क्वेस्ट 2025 का समापन सफलता पूर्वक किया गया। जिसमें लगभग 200 बाल रोग विशेषज्ञों ने भाग लिया। इसमें 10 विषयों पर व्याख्यान हुए तथा विभिन्न विषयों पर नई-नई जानकारियां डिसकस हुई जिसमें मुख्य रूप से दंत स्वास्थ्य पर बच्चों में क्या जानना आवश्यक है विषय पर चर्चा हुई तथा सामान्य नेत्र स्वास्थ्य के ऊपर चर्चा करते हुए डॉक्टर सोनाली गुप्ता ने डिस्कशन किया। बच्चों में सर दर्द के विषय पर गंगाराम अस्पताल के डॉक्टर प्रवीण कुमार ने चर्चा की । हेक्सा वैक्सीन की अपडेट देते हुए डॉक्टर आशीष प्रकाश ने वैक्सीन के महत्व को समझाया ।एंडोक्राइन पर थायराइड के संबंध में डॉक्टर अंजु वीरिमानी ने चर्चा की ।हेमेचुरिया पर डॉक्टर पंकज ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया तथा बच्चों में एसिडिटी पर डॉक्टर विद्युत भाटिया मैक्स हॉस्पिटल दिल्ली ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस कांफ्रेंस से मुख्य बिंदू- जंकफूड से दांतों की हाइजीन पर फर्क पड़ रहा है तथा दांतों में कैरिज बढ़ रहे हैं ।अधिक स्क्रीन टाइम होने के कारण नेत्र स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ रहा है ।पूरी नींद ना हो पाने एवं तनाव के कारण बच्चे सर दर्द की शिकायत करते हैं ,बाजार से निर्मित खाना-पीना, कम खेलना और तनाव तीनों से थायराइड प्रभावित होता है ।अतः बच्चों में की ग्रोथ एवं थायराइड हार्मोन भी प्रभावित हो रहा है इस अवसर पर शहर के गणमान्य बाल रोग चिकित्सक उपस्थित रहे जिनमें डॉक्टर पंकज डॉक्टर रितेश कमल डॉक्टर संदीप डॉक्टर प्रमोद सभरवाल इत्यादियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया इस अवसर पर पैटर्न डॉक्टर के के खन्ना डॉक्टर पंकज गर्ग उपस्थित रहे।

आज से ही शुरू कर दीजिए किडनी डिटॉक्स

जानिए इसके लिए क्या खाएं-पिएं

किडनी डिटॉक्स की जरूरत समझनी जरूरी है। डिटॉक्स का मतलब जादू नहीं, बल्कि सही खानपान, पर्याप्त पानी, कम नमक, ताजा फल-सब्जियों का सेवन और नियमित व्यायाम से किडनी पर बोझ कम करना है।

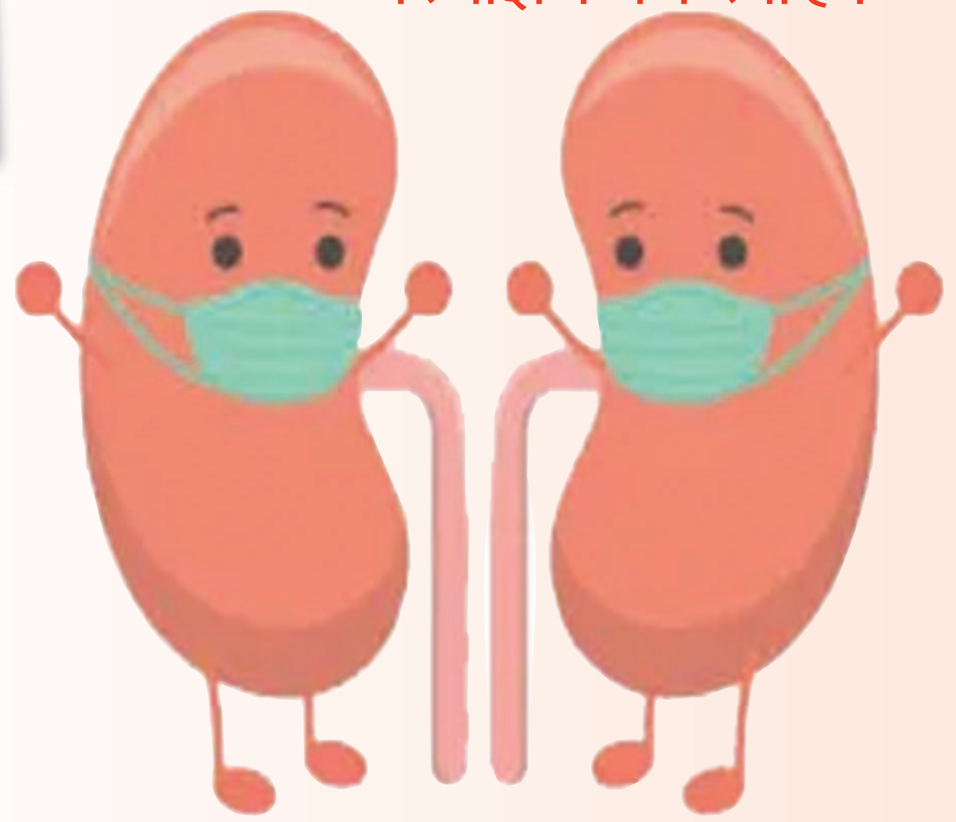

किडनी हमारे शरीर का वो सुपरहीरो है जो खून को साफ करता है, शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है और जरूरी मिनरल्स का बैलेंस बनाए रखता है। लेकिन आजकल की गड़बड़ लाइफस्टाइल, खानपान की गड़बड़ी जैसे ज्यादा प्रोसेस्ड फूड का सेवन, कम पानी पीना और तनाव ने किडनी की बीमारियों को काफी बढ़ा दिया है। ये अब सिर्फ बुजुर्गों तक सीमित नहीं रही, युवा भी तेजी से इसकी चपेट में आ रहे हैं। जब किडनी ठीक से काम नहीं करती तो शरीर में सूजन, थकान, ब्लड प्रेशर बढ़ने जैसी समस्याएं सामने आती हैं।

यही वजह है कि किडनी डिटॉक्स की जरूरत समझनी जरूरी है। डिटॉक्स का मतलब जादू नहीं, बल्कि सही खानपान, पर्याप्त पानी, कम नमक, ताजा फल-सब्जियों का सेवन और नियमित व्यायाम से किडनी पर बोझ कम करना है। इससे टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं, खून साफ रहता है और किडनी की कार्यक्षमता बेहतर होती है।

दिनचर्या में कुछ आदतों को शामिल करके किडनी को डिटॉक्स करने और विषाक्तता को दूर करने में मदद मिल सकती है। आइए जानते हैं कि किडनी को डिटॉक्स कैसे किया जा सकता है?

किडनी को कैसे साफ करें?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हमारी किडनी रक्त से अपशिष्टों को फिल्टर करके स्वाभाविक रूप से शरीर को साफ करती रहती है। इसलिए वैसे तो हमें किडनी की अलग से सफाई करने की कोई आवश्यकता नहीं होती है, लेकिन कुछ उपायों की मदद से किडनी के कार्य को बढ़ावा दिया जा सकता है। कुछ उपाय किडनी को डिटॉक्स करने में सहायक हो सकते हैं।

विटामिन-बी6 और ओमेगा-3 वाली चीजें खाएं

किडनी की बीमारियों से बचाव के लिए कुछ चीजों का सेवन बढ़ा दें। विशेषतौर पर विटामिन-बी6 वाली चीजें जो मेटाबॉलिज्म प्रतिक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस पोषक तत्व से भरपूर चीजों के सेवन से किडनी में पथरी बनने का खतरा कम हो सकता है। ओमेगा-3 वाली चीजें भी किडनी की सेहत को ठीक रखने और किडनी को डिटॉक्स करने में मददगार हो सकती हैं।

किडनी को स्वस्थ रखने के लिए क्या खाएं

जिन खाद्य पदार्थों को किडनी की सेहत को ठीक रखने में फायदेमंद पाया गया है, अंगूर उनमें से एक है। एक पशु अध्ययन में, शोधकर्ताओं ने पाया कि किडनी रोग वाले चूहों में उपचार के साथ अंगूर का जूस देने से उनमें किडनी की सूजन को कम करने में मदद मिली। इसी तरह नींबू, संतरे और खरबूजे के रस में साइट्रिक एसिड या साइट्रेट होता है। साइट्रेट मूत्र में कैल्शियम के साथ जुड़कर किडनी में पथरी को बनने से रोकने में मदद करता है।

खूब पानी पीते रहना जरूरी

अगर आप भरपूर मात्रा में पानी ही पीते रहें तो ये किडनी को साफ रखने के लिए पर्याप्त है। वयस्कों का शरीर लगभग 60 प्रतिशत पानी से बना होता है। किडनी को मूत्र उत्पादन करने के लिए पानी की आवश्यकता होती है। अगर आप कम पानी पीते हैं, तो मूत्र की मात्रा कम होती है। कम पानी पीने से किडनी पर अधिक दबाव बढ़ता है जिससे किडनी में पथरी भी हो सकती है।

चीनी से अलावा इन चीजों से भी बढ़ सकता है ब्लड शुगर लेवल, डायबिटीज रोगी बरतें ये सावधानियां

डायबिटीज एक बेहद गंभीर बीमारी है, जिससे हमारे देश के 10 करोड़ से अधिक लोग परेशान हैं। बहुत से लोगों को लगता है कि ब्लड शुगर लेवल सिर्फ चीनी खाने से बढ़ता है, लेकिन यह धारणा गलत है, इसके अलावा हमारे डाइट में ऐसी कई चीजें होती हैं, जिससे शुगर लेवल बढ़ सकता है।

हमारे देश की बड़ी आबादी डायबिटीज यानी मधुमेह से ग्रसित है, यह एक ऐसी बीमारी है जो हमारे शरीर को भीतर से खोखला करती देती है। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल लांसेट के 2023 के शोध के अनुसार, 10 करोड़ से अधिक (101 मिलियन) लोगों को डायबिटीज है और लगभग 13.6 करोड़ लोग प्री-डायबिटीज से पीड़ित हैं, जिन्हें भविष्य में डायबिटीज होने का अधिक खतरा है।

इस बीमारी को लेकर अक्सर लोग मानते हैं कि ब्लड शुगर का स्तर केवल मीठी चीजें खाने से ही बढ़ता है, लेकिन यह एक बहुत बड़ी गलतफहमी है। विशेषज्ञ बताते हैं कि हमारे भोजन में मौजूद कुछ अन्य चीजें और हमारी जीवनशैली से जुड़ी कई आदतें भी ब्लड शुगर लेवल को तेजी से बढ़ा सकती हैं। अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं, तो इन बातों को जानना और समझना आपके लिए बेहद जरूरी है। आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं।

कार्बोहाइड्रेट्स हैं ब्लड शुगर के मुख्य स्रोत

विशेषज्ञों के अनुसार हमारे शरीर में ब्लड शुगर का एक बड़ा स्रोत कार्बोहाइड्रेट्स होता है। गेहूं, चावल, आलू, ब्रेड और पास्ता जैसी चीजों में भरपूर मात्रा में कार्बोहाइड्रेट्स पाए जाते हैं। जब हम इन चीजों का सेवन करते हैं, तो हमारा शरीर इन्हें तोड़कर ग्लूकोज में बदल देता है।

यह ग्लूकोज सीधे रक्तप्रवाह में मिलकर ब्लड शुगर लेवल को बढ़ा देता है। यही कारण है कि डायबिटीज के मरीजों को इन चीजों का सेवन सीमित मात्रा में करने की सलाह दी जाती है। यह जानना महत्वपूर्ण है कि सिर्फ चीनी से दूरी बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि अपनी डाइट में कार्ब्स की मात्रा पर भी ध्यान देना जरूरी है।

तनाव और ब्लड शुगर का सीधा संबंध

अक्सर हम तनाव को हल्के में लेते हैं लेकिन यह मधुमेह (डायबिटीज) के मरीजों के लिए एक बड़ा खतरा है। जब हम तनाव में होते हैं, तो शरीर में कोर्टिसोल और एड्रेनालाईन जैसे हार्मोन बनते हैं, जो इंसुलिन के असर को कम कर देते हैं। इससे ब्लड शुगर लेवल तेजी से बढ़ सकता है।

इसलिए, सिर्फ खाने-पीने का ध्यान रखना ही काफी नहीं है, बल्कि शुगर को नियंत्रित रखने के लिए मानसिक शांति बनाए रखना भी बेहद जरूरी है।

नींद की कमी और सैडेंटरी लाइफस्टाइल

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में नींद की कमी एक आम समस्या है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अपर्याप्त नींद भी आपके ब्लड शुगर लेवल को प्रभावित कर सकती है? रात में कम सोने से शरीर में इंसुलिन सेंसिटिविटी कम हो जाती है, जिससे कोशिकाएं इंसुलिन के प्रति कम प्रतिक्रियाशील हो जाती हैं। यही वजह है कि ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है।

इसी तरह एक सैडेंटरी लाइफस्टाइल भी एक बड़ा कारण है। शारीरिक गतिविधि न करने से शरीर की कोशिकाएं ऊर्जा के लिए ग्लूकोज का ठीक से उपयोग नहीं कर पाती हैं, जिससे ब्लड शुगर बढ़ जाता है। नियमित व्यायाम और टहलना ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में बहुत मदद करता है।

अन्य कारण और जरूरी सावधानियां

इन सबके अलावा कुछ अन्य कारण भी हैं जो ब्लड शुगर लेवल को बढ़ा सकते हैं। जैसे- डिहाइड्रेशन होने पर ब्लड शुगर बढ़ जाता है, क्योंकि खून में ग्लूकोज की आद्रता बढ़ जाती है। कुछ बीमारियां, जैसे सर्दी या फ्लू होने पर भी शरीर में शुगर लेवल बढ़ सकता है। कुछ दवाएं, जैसे स्टेरॉयड भी ब्लड शुगर लेवल को प्रभावित कर सकती हैं।

इन सभी जोखिमों को कम करने के लिए, नियमित रूप से डॉक्टर से परामर्श लें, अपनी डाइट का ध्यान रखें, पर्याप्त नींद लें, तनाव से बचें और अपनी जीवनशैली में शारीरिक गतिविधि को शामिल करें। केवल चीनी से परहेज करना काफी नहीं है, संपूर्ण जीवनशैली में बदलाव ही मधुमेह को नियंत्रित रखने की कुंजी है।

ऑयली स्किन केयर से जुड़ी गलतफहमियां

जिनपर ज्यादातर लोग करते हैं भरोसा

ऑयली स्किन यानी तैलीय त्वचा...इस स्किन टाइप वालों को अक्सर ये शिकायत रहती है कि उनका चेहरा बहुत जल्दी ग्रीसी नजर आने लगता है। दरअसल जिनकी त्वचा के पोर्स से सीबम यानी एक्स्ट्रा ऑयल प्रोड्यूस होता है, जिससे चेहरे पर ज्यादा तेल नजर आने लगता है और जल्दी चिपचिपाहट होने लगती है। खासतौर पर टी-जोन, फोरहेड (माथा), नोज के आसपास ज्यादा तेल दिखाई देता है। जिन लोगों की त्वचा तैलीय होती है। उनको बहुत जल्दी ब्लैक हेड्स और वाइट हेड्स भी होने लगते हैं और पिंपल्स की समस्या हो जाती है। इसके पीछे भी कुछ गलतियां या फिर मिथ्स हो सकते हैं। ऑयली स्किन केयर से जुड़ी कई ऐसी गलतफहमियां हैं, जिनपर ज्यादातर लोग भरोसा कर लेते हैं।

ऑयली स्किन वालों के लिए गर्मी और मानसून का सीजन थोड़ा ज्यादा परेशान कर देने वाला होता है, क्योंकि उमस की वजह से पसीना ज्यादा आता है और त्वचा पर सीबम होने की वजह से धूल-मिट्टी तेजी से चिपकती है। इसलिए कुछ बातों जैसे त्वचा की सफाई, ऑयल कंट्रोल फेस वॉश समेत त्वचा के मुताबिक ब्यूटी प्रोडक्ट लगाने चाहिए। फिलहाल जान लेते हैं कि लोगों में ऑयली स्किन केयर से जुड़ी कौन सी गलतफहमियां होती हैं।

ज्यादा फेशवॉस लगाना

मिथः त्वचा ऑयली है तो फेसवॉश करते रहना चाहिए। इससे ऑयल कंट्रोल होता है।

आप भी अगर इस बात पर भरोसा करते हैं कि ऑयली स्किन है तो बार-बार चेहरा धोने से ऑयल कंट्रोल रहेगा और चेहरा फ्रेश दिखेगा तो ये एक मिथ है। इससे त्वचा का नेचुरल ऑयल कम हो सकता है और ग्लैंड्स पर ऑयल प्रोड्यूस करने के लिए ज्यादा दबाव पड़ता है, जिससे सीबम का और भी ज्यादा उत्पादन हो सकता है और त्वचा ज्यादा ग्रीसी होने लगेगी। यह जरूरी है कि आप नियमित नॉर्मल साफ-सफाई का ध्यान रखें। जैसे दिन में दो बार फेसवॉश करना।

डाइट से ऑयली स्किन

मिथः खाने की चीजों की वजह से त्वचा ऑयली हो जाती है और फैट डाइट सीधे तौर पर त्वचा तैलीय होने की वजह है।

त्वचा पर तेल होने की वजह ग्लैंड्स से ज्यादा ऑयल प्रोड्यूस करना होता है, जो आपके जेनेटिक्स या फिर हार्मोनल बदलावों पर निर्भर करता है। खानपान सीधे तौर पर आपकी त्वचा के ऑयली होने की वजह नहीं है।

सन एक्सपोजर है सही?

मिथः ऑयली स्किन को लेकर ये भी मिथ है कि सन एक्सपोजर (त्वचा पर धूप) सही रहता है, जिससे त्वचा ड्राई होती है।

सन एक्सपोजर की वजह से आपकी त्वचा पर टेम्परेरी ड्राई इफेक्ट दिख सकता है, लेकिन इससे आपका फेस डल हो सकता है और यूवी किरणों की वजह से त्वचा को भी नुकसान होता है।

हार्श इनग्रेडिएंट यूज करना

मिथः बहुत सारे लोगों को ये लगता है कि ऑयली स्किन पर हार्श प्रोडक्ट यूज किए जा सकते हैं, जिससे फेस का ऑयल कम हो जाता है।

हार्श इनग्रेडिएंट्स किसी भी स्किन टाइप वाले के लिए सही नहीं रहते हैं। जब आप ऑयली स्किन पर हार्श इनग्रेडिएंट्स अप्लाई करते हैं तो इससे त्वचा में नमी बनाए रखने के लिए जरूरत का नेचुरल ऑयल भी कम होने लगता है और इस वजह से आपको इरिटेशन महसूस हो सकती है साथ ही ग्लैंड्स से ज्यादा तेल प्रोड्यूस होने लगता है, जिससे बहुत जल्दी आपका फेस चिपचिपा दिखने लगता है।

मॉइस्चराजर की नहीं है जरूरत

मिथः त्वचा प्राकृतिक रूप से तैलीय है, इसलिए मॉइस्चराइजर लगाने की जरूरत नहीं है।

बहुत सारे लोग इस मिथ पर आसानी से भरोसा कर लेते हैं कि ऑयली स्किन है तो उन्हें मॉइस्चराइजर की जरूरत नहीं है, जबकि हर स्किन को हाइड्रेशन की जरूरत होती है। अगर आपकी त्वचा तैलीय है तो वाटर या फिर जेल बेस्ड मॉइस्चराइजर का यूज करें। इससे त्वचा फ्रेश रहती है और नमी भी बनी रहेगी।

एनपीएस से यूपीएस में जा सकेंगे केंद्रीय कर्मचारी, सरकार ने दिया मौका

केंद्र सरकार ने कहा कि जिन केंद्रीय कर्मचारियों ने 1 अप्रैल 2025 से 31 अगस्त 2025 के बीच सेवा ज्वाइन की है। वह राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली को छोड़कर एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) में स्थानांतरित हो सकते हैं।

केंद्र सरकार केंद्रीय कर्मचारियों को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली से यूनिफाइड पेंशन स्कीम चुनने का मौका दे रही है। सरकार की ओर से जारी सूचना के मुताबिक, जिन केंद्रीय कर्मचारियों ने 1 अप्रैल 2025 से 31 अगस्त 2025 के बीच सेवा ज्वाइन की है। वह राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली को छोड़कर एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) में स्थानांतरित हो सकते हैं।

वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि यह विकल्प 30 सितंबर 2025 तक इस्तेमाल किया जा सकता है। यह समयसीमा उन अन्य पात्र श्रेणियों के लिए पहले से तय की गई तिथि के अनुरूप है, जिन्हें यूपीएस में शामिल होने का मौका दिया गया है। सरकार ने 1 अप्रैल, 2025 से केंद्रीय कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के अंतर्गत यूपीएस को एक विकल्प के रूप में पेश किया है। यूपीएस कर्मचारियों को सुनिश्चित भुगतान प्रदान करेगा।

यूपीएस उन केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों पर लागू है, जो राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के अंतर्गत आते हैं और एनपीएस के तहत इस विकल्प को चुनते हैं। यूपीएस और एनपीएस के बीच चयन करने का विकल्प 23 लाख सरकारी कर्मचारियों द्वारा इस्तेमाल किया जा सकता है।

24 अगस्त को दी गई थी यूपीएस को मंजूरी

24 अगस्त 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने यूपीएस को मंजूरी दी। पुरानी पेंशन योजना के तहत कर्मचारियों को उनके अंतिम मूल वेतन का 50 प्रतिशत पेंशन के रूप में मिलता था। ओपीएस के विपरीत यूपीएस अंशदायी प्रकृति का है, जिसमें कर्मचारियों को अपने मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 10 प्रतिशत अंशदान करना होगा, जबकि नियोक्ता (केंद्र सरकार) का अंशदान 18.5 प्रतिशत होगा। हालांकि, अंतिम भुगतान उस धनराशि पर बाजार रिटर्न पर निर्भर करता है, जो कि अधिकांशतः सरकारी ऋण में निवेशित होती है।

यूपीएस में योगदान और पारदर्शिता

नियमों में यह साफ किया गया है कि यूपीएस में कर्मचारी और सरकार का अंशदान कैसे होगा।

वेतन से कटौती और सरकार द्वारा जमा की जाने वाली रकम पूरी तरह पारदर्शी तरीके से दर्ज होगी।

अगर अधिकारियों की गलती से पंजीकरण में देरी होती है या योगदान समय पर जमा नहीं होता, तो कर्मचारी को मुआवजा दिया जाएगा, ताकि उसे किसी प्रकार का नुकसान न हो।

वाणिज्य मंत्रालय बोला– भारत–अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर हुई सकारात्मक बातचीत, जल्द नतीजे की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका के मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच के साथ भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर हुई चर्चा सकारात्मक और भविष्य की दिशा तय करने वाली रही। मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि दोनों देशों ने इस समझौते को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने के लिए प्रयास तेज करने का निर्णय लिया है, ताकि यह दोनों के लिए फायदेमंद हो।

भारत और अमेरिका की तरफ से इन्होंने किया नेतृत्व

भारत की तरफ से बातचीत का नेतृत्व वाणिज्य विभाग के विशेष सचिव राजेश अग्रवाल ने किया। वहीं, अमेरिकी टीम का नेतृत्व ब्रेंडन लिंच ने किया, जो दक्षिण और मध्य एशिया मामलों के लिए अमेरिका के सहायक व्यापार प्रतिनिधि हैं। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल सोमवार शाम नई दिल्ली पहुंचा और मंगलवार को पूरे दिन भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों और प्रस्तावित समझौते पर चर्चा की।

द्विपक्षीय व्यापार समझौते का क्या है उद्देश्य?

अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने भी बैठक को सकारात्मक बताया और कहा कि यह वार्ता आगे की रणनीति तय करने में अहम साबित होगी। इस समझौते का उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत करना और आर्थिक सहयोग को नई दिशा देना है।

बैठक को लेकर क्या बोला अमेरिका?

अमेरिका ने मंगलवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर हुई बातचीत सकारात्मक रही। अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने बताया कि इस बैठक में दोनों पक्षों ने व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाने के अगले कदमों पर चर्चा की। पिछले कुछ महीनों में दोनों देशों के बीच कई दौर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन कृषि और डेयरी जैसे अहम मुद्दों पर मतभेद के कारण समझौता नहीं हो सका।

कौन हैं ब्रेंडन लिंच

ट्रंप प्रशासन के मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच दक्षिण और मध्य एशिया के लिए सहायक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि हैं। वह क्षेत्र के 15 देशों के संबंध में अमेरिकी व्यापार नीति के विकास और कार्यान्वयन की देखरेख करते हैं।

'कृषि और अन्य मुद्दों पर कुछ रियायतें चाहता है अमेरिका'

वहीं इस पर भारतीय चैंबर ऑफ कॉमर्स की एविएशन और टूरिज्म एक्सपर्ट कमेटी के चेयरमैन और दिल्ली-इंडो-यूएस स्मॉल बिजनेस चैंबर के प्रेसिडेंट डॉ. सुभाष गोयल ने कहा, 'आज हमारी बहुत अहम बातचीत हुई। दोनों पक्षों के बीच बहुत ही सौहार्दपूर्ण माहौल में चर्चा हुई। अमेरिकी पक्ष कृषि और अन्य मुद्दों पर कुछ रियायतें चाहता था। अमेरिका ने भारत पर 50% टैरिफ (कर) इसलिए लगाया था क्योंकि हम रूस से तेल खरीद रहे थे। मुझे लगता है कि बातचीत बहुत सकारात्मक माहौल में खत्म हुई। भारतीय पक्ष ने कहा है कि वे इन मुद्दों पर विचार करेंगे। जो भी समझौता होगा, वह दोनों देशों के लिए फायदेमंद होगा और दोनों के हितों को ध्यान में रखकर होगा। यह बातचीत एक अच्छी शुरुआत है। पहले वार्ताएं ठप पड़ी थीं, लेकिन अब यह गतिरोध खत्म होने का संकेत है, जो एक बहुत ही अच्छा संकेत है।'

टैरिफ पर भारत के अडिग रुख से ट्रंप का यूटर्न

हाल ही में अमेरिका और भारत के रिश्तों में तनाव बढ़ गया था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय उत्पादों पर टैरिफ को दोगुना कर 50 प्रतिशत कर दिया था। इसमें रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क भी शामिल था। भारत ने इस कदम को अनुचित, अन्यायपूर्ण और अस्वीकार्य बताया था। लेकिन इसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से भारत और प्रधानमंत्री मोदी को लेकर कई बार सकारात्मक संदेश सोशल मीडिया पर लिखे गए, जिसे लेकर पीएम मोदी ने भी सोशल मीडिया पर सकारात्मक जवाब दिया।

सरकार ने कहा– 20 साल या अधिक की सेवा के बाद वीआरएस लेने वाले कर्मचारी आनुपातिक आधार पर पेंशन के हकदार

नई दिल्ली, एजेंसी। कार्मिक मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि हाल ही में अधिसूचित नियमों के तहत केंद्र सरकार के कर्मचारी 20 साल या उससे अधिक की सेवा पूरी करने के बाद स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति का विकल्प चुनने पर एक सुनिश्चित भुगतान यानी पेंशन पाने के हकदार हैं।

पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने 2 सितंबर को आधिकारिक राजपत्र में केंद्रीय सिविल सेवा (राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत एकीकृत पेंशन योजना का कार्यान्वयन) नियम, 2025 को अधिसूचित किया है। इससे एनपीएस के तहत यूपीएस को एक विकल्प के रूप में चुनने वाले केंद्र सरकार के कर्मियों को मिलने वाले लाभ से जुड़े सेवा मामलों को विनियमित किया जा सकेगा। ये नियम अन्य बातों के साथ-साथ यूपीएस उपभोक्ताओं को 20 वर्ष की सेवा पूरी होने के बाद स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति का विकल्प देते हैं।

25 वर्ष की सेवा पूरी होने के बाद ही मिलेगी सुनिश्चित भुगतान की सुविधा

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'एकीकृत पेंशन योजना के तहत पूर्ण सुनिश्चित भुगतान 25 वर्ष की सेवा पूरी होने के बाद ही उपलब्ध होता है। हालांकि, 20 वर्ष या उससे अधिक की सेवा पूरी करने के बाद वीआरएस (स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना) चुनने पर, आनुपातिक आधार पर सुनिश्चित भुगतान अर्थात अर्हक सेवा के वर्ष को सुनिश्चित भुगतान के 25 से विभाजित करके ग्राहक को भुगतान किया जाएगा।'

रिटायरमेंट की तारीख से देय होगी राशि

मंत्रालय ने कहा है कि यह भुगतान सेवानिवृत्ति की तिथि से देय होगा। बयान में कहा गया है, 'अन्य लाभ जैसे व्यक्तिगत कोष का 60 प्रतिशत अंतिम निकासी और प्रत्येक छह माह की सेवा अवधि के लिए मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 1/10वां हिस्सा एकमुश्त लाभ, सेवानिवृत्ति ग्रेच्युटी, अवकाश नकदीकरण, सीजीईजीआईएस (केंद्र सरकार कर्मचारी समूह बीमा योजना) लाभ सेवानिवृत्ति पर प्राप्त किए जा सकते हैं।' इसके अलावा, वीआरएस लेने के बाद लेकिन सुनिश्चित भुगतान शुरू होने से पहले ग्राहक की मृत्यु होने की स्थिति में, कानूनी रूप से विवाहित पति या पत्नी को ग्राहक की मृत्यु की तारीख से पारिवारिक भुगतान दिया जाएगा। इस संशोधन का स्वागत करते हुए अखिल भारतीय एनपीएस कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजीत सिंह पटेल ने कहा कि यह सभी केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों, विशेषकर अर्धसैनिक बलों के कर्मियों के लिए बहुत जरूरी कदम है, जो बहुत कठिन परिस्थितियों में काम करते हैं। पटेल ने कहा, ₹इससे उन सभी कर्मचारियों को मदद मिलेगी जो 20 साल की नियमित सेवा पूरी करने के बाद विभाग में सेवा देने में असमर्थ हैं।'

यमन के बंदरगाह पर इस्राइल का हमला, हूती विद्रोहियों का एयर डिफेंस भेदने को की कार्रवाई

यमन, एजेंसी। यमन के हुदेदा बंदरगाह पर इस्राइल ने हमला किया है। हूती विद्रोहियों का एयर डिफेंस भेदने को की गई इस कार्रवाई में सैन्य ढांचे को निशाना बनाए जाने का दावा किया गया है। हूती विद्रोहियों के प्रवक्तायहया सारी ने बताया कि उनकी वायु-रक्षा प्रणाली के कारण इस्राइली विमानों को पीछे हटना पड़ा। उन्होंने कहा कि एयर डिफेंस सिस्टम से मिली चुनौती के कारण इस्राइली सेना के कुछ विमानों को यमन की वायुसीमा से पीछे हटने पर मजबूर होना पड़ा।

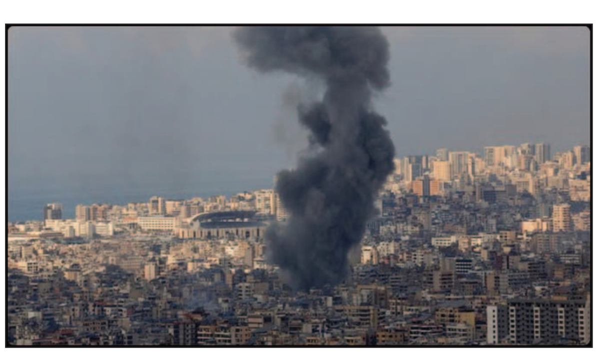

इस्राइली सेना ने दावा किया कि उसने मंगलवार को हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले बंदरगाह पर 'सैन्य ढांचे' को निशाना बनाया। इस्राइल के मुताबिक यमन की इस जगह का इस्तेमाल ईरान से हथियारों की आपूर्ति और इस्राइल के अलावा उसके सहयोगियों पर हमले की योजना बनाने के लिए होता है।

बंदरगाह हमला ऐसे समय में हुआ जब यमन की राजधानी सना में पिछले हफ्ते इस्राइली हमले में 31 लोगों के मारे जाने के बाद उनके अंतिम संस्कार संबंधी गतिविधियां हो रही थीं। हूती नियंत्रित स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस्राइली हमलों में दर्जनों लोग मारे गए थे। हताहत होने वाले लोगों में पत्रकारों के अलावा आम नागरिक भी शामिल थे। बीते हफ्ते इस्राइल ने जो हमले किए इसमें यमन के सैन्य मुख्यालय, ईंधन स्टेशन और आवासीय इलाकों के अलावा राष्ट्रीय संग्रहालय और जव्फ प्रांत की राजधानी हज्म के कई सरकारी भवनों को भी भारी नुकसान हुआ।

हूती विद्रोहियों के इन ठिकानों पर इस्राइल ने किए सटीक हमले

पिछले सप्ताह इस्राइल के हमले से पहले हूती विद्रोहियों ने इस्राइल की तरफ एक ड्रोन लॉन्च किया था। यह दक्षिणी हिस्से में एक हवाई अड्डे से टकरा गया था। इस हमले में खिड़कियों के शीशे टूटे थे, जबकि एक व्यक्ति घायल हुआ था। इसके बाद इस्राइल ने पलटवार किया। उसने दावा किया कि हूती विद्रोहियों के खुफिया केंद्र, ईंधन भंडार और मीडिया प्रचार विभाग पर सटीक निशाना साधा गया। अंतिम संस्कार से जुड़ी तस्वीरें यमन के अल-मसीरा टीवी पर दिखाई गईं। बारिश के बीच शवयात्रा और मस्जिद में नमाज-ए-जनाजा हुई। खराब मौसम के कारण लोग कम दिखे लेकिन अंतिम संस्कार के दौरान मौजूद लोगों ने इस्राइली हमले में 31 लोगों की मौत को देश के लिए 'बहुत बड़ी क्षति' बताया।

इस्राइल के खिलाफ हमलों के समर्थन में हूती क्या तर्क दे रहे हैं?

हूती विद्रोही बीते लगभग दो वर्षों से इस्राइल और उसके सहयोगियों को निशाना बनाने के लिए मिसाइल और ड्रोन से हमले कर रहे हैं। कई मौकों पर लाल सागर में व्यापारिक जहाजों पर भी हमले किए गए हैं। उनका कहना है कि गाजा पट्टी में फलस्तीनि लोगों के खिलाफ इस्राइल के हमले और दमन की कार्रवाई के विरोध में वे इस्राइली ताकतों के खिलाफ हमले कर रहे हैं।

सूचनाओं को लेकर बेहद घातक और संवेदनशील है यमन का माहौल

इस्राइली हमले में पत्रकारों की मौत पर 'कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स (CPJ) ने कहा, सना में सूचना प्रसारण का माहौल बेहद प्रतिबंधित है। हूती अधिकारियों ने तस्वीरें व वीडियो साझा करने पर रोक लगा रखी है। सूचनाओं की स्वतंत्र रूप से पुष्टि कठिन हो रही है। इस इलाके में मानवाधिकारों को लेकर काम करने वाली संस्था- 'ह्यूमन राइट्स वॉच' ने कहा, सना में इस्राइली हमले से मीडिया केंद्र और अखबारों के दफ्तरों को भी नुकसान हुआ। यमन में पत्रकारों पर मंडराते खतरे और गहरे हो रहे हैं।

कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी ने ट्रंप प्रशासन पर दायर किया मुकदमा, शैक्षणिक स्वतंत्रता पर खतरे का आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। सैन फ्रांसिस्को से एक बड़ी खबर सामने आई है। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के छात्रों, प्रोफेसरों और स्टाफ ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। आरोप है कि प्रशासन शैक्षणिक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की आजादी को कमजोर करने के लिए नागरिक अधिकार कानूनों का दुरुपयोग कर रहा है।

याचिका में कहा गया है कि ट्रंप प्रशासन ने यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, लॉस एंजेलिस (UCLA) पर 1.2 बिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया और रिसर्च फंडिंग रोक दी। प्रशासन ने विश्वविद्यालय से कई शर्तें मानी जाने की मांग की है, जिनमें छात्रों और स्टाफ का डेटा सौंपना, डाइवर्सिटी स्कॉलरशिप खत्म करना, यूनिवर्सिटी कैंपस पर रातभर प्रदर्शन पर रोक और इमिग्रेशन एजेंसियों से सहयोग करना शामिल है।

UC प्रवक्ता स्टेट होलब्रुक ने कहा, "फेडरल रिसर्च फंडिंग में कटौती से न सिर्फ बायोमेडिकल रिसर्च खतरे में पड़ेगी, बल्कि अमेरिका की आर्थिक प्रतिस्पर्धा और लाखों लोगों का स्वास्थ्य भी प्रभावित होगा।" यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया हर साल 17 बिलियन डॉलर से ज्यादा की फेडरल मदद प्राप्त करती है, जिसमें 10 बिलियन डॉलर मेडिकेयर और मेडिकेड से आते हैं। यह मुकदमा अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ यूनिवर्सिटी प्रोफेसर्स (AAUP) और Democracy Forward जैसे कानूनी समूहों ने दायर किया है। आरोप लगाया गया है कि ट्रंप प्रशासन मनमाने तरीके से फेडरल रिसर्च फंडिंग रोक रहा है, जिससे उच्च शिक्षा संस्थानों की स्वतंत्रता पर सीधा प्रहार हो रहा है।

वैंकूवर दूतावास घेरने की खालिस्तानी साजिश, भारतीय उच्चायुक्त की आपत्तिजनक फोटो भी बनाई

वैंकूवर (कनाडा)। अमेरिका से संचालित होने वाले खालिस्तानी संगठन' 'सिख्स फॉर जस्टिस (SFJ)' ने एक बार फिर भारत का विरोध किया है। कनाडा के वैंकूवर में भारतीय वाणिज्य दूतावास के घेराव की साजिश रचने वाले इस संगठन के लोगों ने दूतावास के अधिकारी की आपत्तिजनक तस्वीर भी बनाई है। एसएफजे की धमकी ऐसे समय में आई है जब भारत और कनाडा अपने राजनयिक संबंध सामान्य करने के लिए मशक्कत कर रहे हैं। संभावित विरोध की इस खबर के मुताबिक खालिस्तान समर्थक इस संगठन ने एलान किया है कि गुरुवार को वाणिज्य दूतावास पर कब्जा कर लेंगे। भारतीय मूल के कनाडाई नागरिकों से दूतावास आना स्थगित रखने की अपील भी की गई है। इस संबंध में आई रिपोर्ट्स के मुताबिक SFJ ने एक पोस्टर भी जारी किया है। इसमें भारत के नए उच्चायुक्त दिनेश पटनायक के चेहरे पर निशाना साधते हुए दिखाया गया है। संगठन ने आरोप लगाया है कि भारतीय वाणिज्य दूतावास कनाडा में खालिस्तानी समर्थकों की निगरानी कर रहा है। एसएफजे ने जासूसी नेटवर्क चलाने जैसे मनगढ़ंत, बेबुनियाद और बेतुके आरोप भी लगाए हैं। इस संगठन की तरफ से जारी बयान के मुताबिक करीब दो साल पहले 18 सितंबर 2023 को तत्कालीन कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने देश की संसद में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में 'भारतीय एजेंटों की कथित भूमिका' की जांच कराने की बात कही थी। पूर्व प्रधानमंत्री के बयान के करीब दो साल बाद सितंबर माह में ही प्रस्तावित विरोध को लेकर भारत विरोधी संगठन- एसएफजे ने कहा, दो साल बाद भी भारतीय वाणिज्य दूतावास कनाडा में खालिस्तान जनमत संग्रह अभियान चलाने वालों को निशाना बना रहे हैं। खतरा इतना गंभीर था कि रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (RCMP) को निज्जर की मौत के बाद संगठन के अभियान का नेतृत्व कर रहे इंदरजीत सिंह गोसल को गवाह बनाकर सुरक्षा देनी पड़ी। SFJ का कहना है कि वैंकूवर वाणिज्य दूतावास का घेराव कर वे भारतीय एजेंसियों के अधिकारियों पर दबाव बनाएंगे। वे उनसे कनाडा में कथित 'जासूसी और डराने-धमकाने' के मामले में जवाब भी मांगेंगे। खबर लिखे जाने तक इस मामले में भारत के विदेश मंत्रालय और वैंकूवर स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई। यह भी रोचक है कि हाल ही में कनाडाई सरकार ने एक आंतरिक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें स्वीकार किया गया है कि चरमपंथी खालिस्तानी समूहों को कनाडा में रहने वाले कुछ लोगों और नेटवर्क से आर्थिक मदद मिल रही है।

कैनेडी के खिलाफ गवाही देंगी सीडीसी की बर्खास्त प्रमुख, बिना सबूत वैक्सीन को मंजूरी देने का आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) की बर्खास्त निदेशक सुजैन मोनारेज सीनेट के सामने गवाही देंगी। इस गवाही में मोनारेज सीनेटरों को बताएंगी कि स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने उन पर वैज्ञानिक प्रमाण देखे बिना नई वैक्सीन सिफारिशों का समर्थन करने का दबाव डाला था। सीनेट के सामने यह सुनवाई बुधवार को होगी। गवाही की प्रति मीडिया में लीक हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मोनारेज गवाही में ये भी बताएंगी कि कैनेडी ने उन्हें अल्टीमेटम दिया था या तो वे वैक्सीन को मंजूरी दें या फिर उन्हें बर्खास्त कर दिया जाएगा। मोनारेज ने कहा कि वैक्सीन की सुरक्षा पर संदेह भी है।

सीनेट की स्वास्थ्य समिति के सामने पेश होंगी मोनारेज

गौरतलब है कि मोनारेज को कैनेडी ने ही सीडीसी प्रमुख के रूप में चुना था, जिन्हें बाद में ट्रंप ने नामित किया। हालांकि उनके पद ग्रहण करने के कुछ ही हफ्तों बाद उन्हें बर्खास्त कर दिया गया। अपनी बर्खास्तगी को लेकर मोनारेज सीनेट की स्वास्थ्य समिति के सामने पेश होंगी। गवाही की प्रति के अनुसार, मोनारेज सीनेटरों के सामने अपनी शुरुआती गवाही में कहेंगी, 'दबाव में भी, मैं सबूतों की जगह विचारधारा नहीं ला सकती थी या अपनी ईमानदारी से समझौता नहीं कर सकती थी। टीकाकरण नीति विश्वसनीय आंकड़ों से चलनी चाहिए, न कि पूर्व निर्धारित परिणामों से।'

जनता के लिए वैक्सीन की सिफारिश करती है सीडीसी

मोनारेज ने यह भी दावा किया कि कैनेडी ने उन्हें बिना किसी कारण के सीडीसी के कई उच्च पदस्थ अधिकारियों को नौकरी से निकालने का निर्देश दिया था। सीडीसी अमेरिका की प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी है, जो जनता को टीकों की सिफारिशें करने के लिए जिम्मेदार है। सीनेट की सुनवाई वैक्सीन के बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव पर केंद्रित होगी। मोनारेज के अलावा पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डेबरा होउरी, भी समिति के सामने गवाही देंगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने आरोपों को खारिज किया

वहीं स्वास्थ्य मंत्री कैनेडी ने मोनारेज के उन आरोपों का खंडन किया है। हालांकि, उन्होंने इस महीने की शुरुआत में सीनेट की एक सुनवाई के दौरान स्वीकार किया था कि उन्होंने मोनारेज को सीडीसी के कई शीर्ष अधिकारियों को बर्खास्त करने का आदेश दिया था। सीनेट की यह सुनवाई अटलांटा में वैक्सीन पैनल के दो दिवसीय सत्र शुरू होने से ठीक एक दिन पहले हो रही है, जिसमें कोविड-19, हेपेटाइटिस बी और चिकनपॉक्स के टीकों पर चर्चा होगी।

निजाम के हैदराबाद का भारतीय संघ में विलय, देश मना रहा हैदराबाद मुक्ति दिवस, राजनाथ सिंह ने फहराया तिरंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को परेड ग्राउंड में तेलंगाना मुक्ति दिवस समारोह का नेतृत्व किया, जो हैदराबाद के भारतीय संघ में विलय की 77वीं वर्षगांठ के अवसर पर मनाया गया। यह दिवस 1948 में निज़ाम शासन के अंत और ऑपरेशन पोलो की सफलता का स्मरण कराता है, जिसने रियासत को लोकतांत्रिक शासन के अधीन लाया। हैदराबाद लिबरेशन डे के अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज का यह दिन भारतीय इतिहास के एक बड़े ही महत्वपूर्ण माइलस्टोन के रूप में जाना जाता है। हम जिस हैदराबाद लिबरेशन डे की स्मृति को ताज़ा करने के लिए यहां एकत्रित हुए हैं, वह हमारे इतिहास का एक बड़ा ही निर्णायक और गौरवपूर्ण अध्याय है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत अगस्त 1947 में आजाद हो गया था लेकिन भारत के उत्तर और दक्षिण को जोड़ने वाला एक बड़ा इलाका हैदराबाद भारत का हिस्सा नहीं था...यानी आजाद होने के बावजूद भारत एक ना होकर कई टुकड़ों में बंटा था... सरदार पटेल ने राजनीतिक परिपक्वता और कुशल रणनीति के बल पर रियासतों को शांति से भारत में मिला लिया। भारत और भारत के लोग सदैव सरदार पटेल जी के ऋणी रहेंगे। यह समारोह 17 सितंबर को तेलंगाना मुक्ति दिवस के रूप में आधिकारिक मान्यता देने की केंद्र की व्यापक पहल का हिस्सा था, एक ऐसी मांग जिसने हाल के वर्षों में जोर पकड़ा है।

केंद्र सरकार द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वज फहराने और थल सेना, नौसेना और वायु सेना की टुकड़ियों द्वारा औपचारिक सलामी के साथ हुई। सिंह ने सैन्य शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की और हैदराबाद के विलय में निर्णायक भूमिका निभाने वाले सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, किशन रेड्डी और बंदी संजय कुमार सहित वरिष्ठ भाजपा नेता शामिल हुए। कार्यक्रम स्थल पर लगाए गए पोस्टरों और बैनरों में ऐतिहासिक संघर्ष और भारत की राष्ट्र निर्माण यात्रा में इसके महत्व पर प्रकाश डाला गया।

रजाकारों को लेकर राजनाथ सिंह ने कही बड़ी बात

राजनाथ सिंह ने कहा कि 'रजाकारों का ख़तरा पहलगाम हमले के समान है जहां लोगों का धर्म पूछकर उनकी हत्या की गई थी। रजाकारों की तरह पहलगाम में हुआ आतंकवादी हमला भी भारत के सामाजिक सद्भाव पर एक करारा प्रहार था। रक्षा मंत्री ने कहा कि आज का भारत न केवल आमने-सामने, बल्कि दुश्मन की आंखों में आंखें डालकर जवाब देने में सक्षम है।

500 मौतों से लहूलुहान माओवादी संगठन, पहली बार हथियार छोड़ने को कैसे हुआ तैयार?

नई दिल्ली। देशभर में सुरक्षा बलों की लगातार और सघन कार्रवाई ने चार दशक तक बंदूक के सहारे क्रांति का दावा करने वाले माओवादी संगठन की रीढ़ तोड़ दी है।

बीते 18 महीनों में 500 से अधिक माओवादी मारे गए, जिनमें 13 केंद्रीय समिति स्तर के बड़े नेता भी शामिल हैं। केवल छत्तीसगढ़ में ही शीर्ष कमांडर बसव राजू, चलपति, सुधाकर और मोडेम बालकृष्ण मुठभेड़ों में ढेर हुए। लगभग दो हजार कैडर और समर्थकों ने आत्मसमर्पण कर दिया। इसी दबाव के बीच अब संगठन ने पहली बार हथियार छोड़कर शांति वार्ता की पहल की है। 15 अगस्त 2025 को केंद्रीय समिति प्रवक्ता अभय के नाम से जारी पत्र में संगठन ने संघर्ष विराम की घोषणा करते हुए कहा कि वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में शामिल होकर जनता की समस्याओं का समाधान चाहते हैं। विशेष यह कि यह पत्र संगठन की आधिकारिक फेसबुक अकाउंट, ईमेल और अभय की तस्वीर के साथ सार्वजनिक किया गया। सुरक्षा विशेषज्ञ इसे दो पहलुओं से देख रहे हैं, एक ओर इसे शांति प्रक्रिया की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानते हैं, तो दूसरी ओर इसे संदेहास्पद भी बता रहे हैं।

अब तक माओवादी नेतृत्व ने कभी अपनी तस्वीर या पहचान उजागर नहीं की थी। पत्र में दिए गए ईमेल और फेसबुक अकाउंट सुरक्षा एजेंसियों को संगठन के नेटवर्क और हैंडलरों तक पहुंचाने का जरिया बन सकते हैं। यही कारण है कि गृह मंत्री विजय शर्मा ने पत्र की सत्यता की जांच कराने के निर्देश दिए हैं।

10 महीनों में छठी अपील

माओवादी संगठन ने पिछले दस महीनों में यह छठी बार सरकार से संवाद की अपील की है। हालांकि, पहले के प्रयास हिंसा और सुरक्षा बलों पर हमलों की वजह से नाकाम रहे। सरकार लगातार यह शर्त दोहराती रही है कि हथियारों के साथ किसी भी तरह की वार्ता संभव नहीं। इस बार माओवादियों ने स्पष्ट किया है कि शांति वार्ता पर सहमत कैडरों के अलावा जेलों में बंद सदस्यों और अन्य राज्यों में सक्रिय नेताओं से रायशुमारी जरूरी है। इसके लिए संगठन ने एक माह का संघर्ष विराम मांगा है, ताकि वार्ता ठोस और दीर्घकालिक रूप ले सके।

फोर्स के दबाव में ढहा नेटवर्क

छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, तेलंगाना और झारखंड में चल रहे संयुक्त अभियानों ने माओवादियों को गहरी चोट पहुंचाई है। जनवरी 2025 से अब तक छत्तीसगढ़ में 463 माओवादी ढेर हो चुके हैं, जबकि एसजेडसीएम स्तर के 13 से अधिक नेता भी मुठभेड़ों में मारे गए। इसी दौरान केंद्रीय समिति सदस्य सुजाता ने तीन दिन पहले तेलंगाना में आत्मसमर्पण कर दिया। इससे पहले एसजेडसीएम कमलेश, ककराला सुनीता और केवल बस्तर में सक्रिय 1500 से अधिक माओवादी हथियार डाल चुके हैं। मई 2024 में गढ़चिरौली में 28 शीर्ष माओवादी मारे गए थे।

शादी की पहली सालगिरह का अदिति ने मनाया जश्न, पति सिद्धार्थ पर यूं लुटाया प्यार

बॉलीवुड की मशहूर जोड़ी अदिति राव हैदरी और एक्टर सिद्धार्थ की शादी को एक साल पूरा हो गया है। पहली वेडिंग एनिवर्सरी पर दोनों ने एक दूसरे पर खूब प्यार लुटाया है।

बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा अदिति राव हैदरी और साउथ इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता सिद्धार्थ की शादी को आज एक साल पूरा हो गया है। 17 सितंबर को इस खास मौके पर दोनों ने अपनी कुछ प्यारी तस्वीरें साझा कीं, जिसके बाद फैंस अब इस खूबसूरत कपल को ढेर सारी बधाइयां दे रहे हैं।

'अड्डू-सिड्डू' के नाम से मशहूर कपल

सोशल मीडिया पर 'अड्डू-सिड्डू' की सालगिरह के मौके पर कई सेलेब्स ने भी बधाई दी। अदिति ने अपनी सालगिरह पोस्ट में सिद्धार्थ को अपना हमसफर ही नहीं, बल्कि हर जन्म का साथी बताया। दोनों की तस्वीरें उनके बीच की कैमिस्ट्री और गहरे रिश्ते को बयां करती हैं।

सितारों ने किया विश

अदिति और सिद्धार्थ के इस जश्न पर फिल्मी जगत के बड़े नाम भी शामिल हुए। कोरियोग्राफर-डायरेक्टर फराह खान ने लिखा कि यह यकीन करना मुश्किल है कि एक साल इतनी जल्दी बीत गया। वहीं शिबानी अख्तर ने उन्हें क्यूटेस्ट कपल कहकर बधाई दी।

कब और कैसे बंधे थे शादी के बंधन में?

अदिति और सिद्धार्थ ने मार्च 2024 में सगाई की थी। दोनों ने एक खूबसूरत तस्वीर शेयर कर अपनी इंगेजमेंट की घोषणा की थी। इसके कुछ ही महीनों बाद सितंबर 2024 में उन्होंने दो अलग-अलग रीति-रिवाजों के साथ शादी की। पहली शादी तेलंगाना के वानपर्थी स्थित 400 साल पुराने मंदिर में हुई, जिसमें दक्षिण भारतीय परंपराओं का पालन किया गया। इसके बाद राजस्थान के आलीला फोर्ट बिशनगढ़ में एक शाही और भव्य समारोह हुआ, जिसमें परिवार और खास दोस्त शामिल हुए।

सिद्धार्थ पर अदिति का प्यार

गौरतलब है कि अदिति ने कई इंटरव्यूज में सिद्धार्थ के लिए अपने जज्बात जाहिर किए हैं। उन्होंने उन्हें एक खास इंसान और शानदार कलाकार बताया है। अदिति के मुताबिक, सिद्धार्थ न सिर्फ सिनेमा के दीवाने हैं, बल्कि जिंदगी को दिल से जीने वाले इंसान भी हैं।

अदिति

ब्लू ड्रेस में हिना खान का ग्लैमरस लुक, शेयर की तस्वीरें

टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री हिना खान इन दिनों अपने नए रियलिटी शो पति पत्नी और पंगा को लेकर सुर्खियों में हैं। वह अपने शानदार अभिनय और स्टाइलिश अंदाज के लिए जानी जाती हैं। हिना ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर कीं।

हिना ने इन तस्वीरों में डार्क ब्लू कलर की खूबसूरत ड्रेस पहनी है, जो उनकी पर्सनैलिटी को और निखार रही है। इस लुक को और आकर्षक बनाने के लिए उन्होंने मिनिमल मेकअप के साथ ब्लू शेड का आईलाइनर लगाया हुआ है और बालों को हल्के रोल के साथ स्टाइल किया गया है, जो उनके लुक में चार चांद लगा रहा है। हिना ने इन तस्वीरों को कैप्शन दिया, विंग इट आउट, ब्लू ग्लैम।

उनकी तस्वीर को लाखों लोगों ने लाइक किया और कमेंट बॉक्स में फैंस ब्यूटीफुल, गॉर्जियस, और देसी क्वीन जैसे शब्दों से सराहना कर रहे हैं।

अभिनेत्री इन दिनों अपने पति रॉकी जायसवाल के साथ रियलिटी शो पति पत्नी और पंगा में नजर आ रही हैं। वहीं, दर्शक भी उन्हें खूब पसंद कर रहे हैं। उनके स्क्रीन प्रेजेंस ने शो को और भी मजेदार बना दिया है। हिना ने अपने करियर में ये रिश्ता क्या कहलाता है जैसे धारावाहिकों से लेकर बिग बॉस और खतरों के खिलाड़ी जैसे रियलिटी शो तक में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। अब इस नए शो में उनका अलग अंदाज दर्शकों को बांधे रख रहा है।

रियलिटी शो पति पत्नी और पंगा की बात करें तो इसमें कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी और सोनाली बेंद्रे मिलकर होस्ट कर रहे हैं, जिसमें हिना खान और रॉकी जायसवाल के अलावा, रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला, अविका गौर और मिलिंद चंदवानी, देबिना बनर्जी और गुरमीत चौधरी, सुदेश लहरी और ममता लहरी, गीता फोगाट और पवन कुमार, साथ ही स्वरा भास्कर और फहाद अहमद नजर आ रहे हैं। शो 2 अगस्त से कलर्स टीवी पर प्रसारित हो रहा है।

पति संग्राम सिंह के अफेयर्स की अफवाहों के बीच पत्नी पायल का क्रिप्टिक पोस्ट, बोलीं- विश्वासघात...

हाल ही में अफवाह उड़ी कि पायल रोहतगी के पति और रेसलर से एक्टर बने संग्राम सिंह, निकिता रावल को डेट कर रहे हैं। हालांकि इससे दोनों ने साफ इंकार किया। अब एक्ट्रेस पायल ने एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है।

रेसलर-एक्टर संग्राम सिंह और अभिनेत्री निकिता रावल के बीच रिश्ते को लेकर कई बाते कही जा रही हैं। साथ ही ये भी कहा गया कि अभिनेता का एक्ट्रेस निकिता के साथ अफेयर चल रहा है और वो उन्हें डेट कर रहे हैं। हालांकि, संग्राम सिंह ने इन अफवाहों का खंडन किया है और निराशा व्यक्त की। इसके अलावा निकिता रावल ने भी इन अफवाहों को बेबुनियाद बताया। इसी बीच रेसलर-एक्टर की पत्नी पायल रोहतगी ने एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है, जो वायरल हो रहा है।

पति संग्राम सिंह के साथ पायल ने शेयर की तस्वीर

संग्राम सिंह के अफेयर्स से जुड़ी खबरों के बीच उनकी पत्नी और अभिनेत्री पायल रोहतगी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने खुद की शादी के रिसेप्शन की तस्वीर साझा की है, जिसमें पति संग्राम सिंह के साथ वो खड़ी दिख रही हैं। एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, ₹विश्वासघात हमेशा वफादारी के रूप में तब तक आता है, जब तक उसका मुखौटा नहीं उतर जाता।₹

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com